भाद्रपद शुक्ल - 1 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 54 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 15-09-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 रेल अधिकारी यात्रियों को अतिथि मानकर सर्वोत्तम सेवाएं मुहैया करायें : मुर्मू

6 इंडिया महागठबंधन की बड़ी बाधा न बन जाये 'आप'

7 विपक्षी गठबंधन में आपातकाल की मानसिकता जिंदा : जेपी नड्डा

फर्स्ट टेक

लीबिया में भीषण बाढ़ में मृतकों की संख्या 5100 हुई

डर्ना (लीबिया)/एपी। लीबिया में भीषण बाढ़ में मृतकों की संख्या 5100 हो गई है। बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित डर्ना शहर में अब तक 3000 से अधिक शव दफनाए जा चुके हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। भूमध्यसागरीय तूफान डेनियल के कारण देश के पूर्वी हिस्से के शहरों में भीषण बाढ़ आई, लेकिन सबसे अधिक प्रभावित डर्ना हुआ। रविवार रात तूफान तट पर पहुंचा। डर्ना के निवासियों ने कहा कि जब शहर के बाहर बांध ध्वस्त हो गए तो उन्होंने जोरदार धमाकों की आवाज सुनी।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

पक्ष-विपक्ष

सत्ता जिसको भी ठीक कहे,
प्रतिपक्ष उसे अनुचित कहता।
सच्चाई पर सहमति के बिन,
भटकाव बना हरदम रहता।
कमजोर तर्क की नींवों पर,
जो महल बना जल्दी ढहता।
उम्मीद लगाए जन मानस,
परिवर्तन धारा में बहता।।

भारत की प्रगति से सीखना चाहती है दुनिया : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 6350 करोड़ की रेल परियोजनाओं की सौगात दी

रायगढ़ (छत्तीसगढ़)/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि जी20 सम्मेलन में आए दुनिया भर के सभी प्रमुख नेता आधुनिक विकास और गरीबों के कल्याण की दिशा में भारत की सफलता से प्रभावित थे और आज दुनिया भारत की इन सफलाओं से कुछ सीखना चाहती है।

मोदी ने कहा कि यह सफलता इसलिए है क्योंकि आज सरकार हर राज्य और हर इलाके को प्राथमिकता दे रही है । उन्होंने कहा, हमें मिल कर देश को आगे बढ़ाना है। प्रधानमंत्री रायगढ़ में रेल से विभिन्न परियोजनाओं के उद्घाटन के बाद एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। समारोह में छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री टी. एस. सिंहदेव , केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह , क्षेत्र के सांसद और राज्य के कई विधायक उपस्थित थे।

मोदी ने कहा , आधुनिक विकास की तेज रफ्तार के साथ ही गरीब कल्याण का भी तेज रफ्तार का भारतीय मॉडल आज पूरी दुनिया देख रही है, उसकी सराहना कर रही है। उन्होंने बताया कि नयी दिल्ली में पिछले सप्ताह सम्पन्न हुए शिखर सम्मेलन में आए बड़े-बड़े देशों के सभी राष्ट्राध्यक्ष और शासनाध्यक्ष भारत के विकास और गरीब कल्याण के प्रयासों से प्रभावित होकर गए हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, आज दुनिया की बड़ी-बड़ी संस्थाएं भारत की सफलता से सीखने की बात कर रहीं हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि आज विकास में देश के हर राज्य को, हर इलाके को बराबर प्राथमिकता मिल रही है। और जैसा उपमुख्यमंत्री (सिंहदेव) जी ने कहा हमें मिलकर के देश को आगे बढ़ाना है। छत्तीसगढ़ और रायगढ़ का यह इलाका भी इसका गवाह है।

उन्होंने कहा, हमें अमृतकाल के अगले 25 वर्षों में अपने देश को विकसित बनाना है। ये काम तभी पूरा होगा, जब विकास में हर एक देशवासी की बराबर भागीदारी होगी।

स्थानीय भाषाओं को सशक्त बनाने का माध्यम बनेगी हिन्दी : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहां है कि देश की सभी भाषाओं को सशक्त करने से ही एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण होगा और उन्हें विश्वास है कि हिन्दी सभी स्थानीय भाषाओं को सशक्त बनाने का माध्यम बनेगी।

शाह ने गुरुवार को यहां हिंदी दिवस के मौके पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा हिंदी की किसी भी भारतीय भाषा से न कभी कोई स्पर्धा थी और न ही कभी हो सकती है। हमारी सभी भाषाओं को सशक्त करने से ही एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण होगा। मुझे विश्वास है कि हिंदी सभी स्थानीय भाषाओं को सशक्त बनाने का माध्यम बनेगी। उन्होंने कहा कि भारत, विविध भाषाओं का देश रहा है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की भाषाओं की विविधता को एकता के सूत्र में पिरोने का नाम 'हिंदी' है। हिंदी एक जनतांत्रिक भाषा रही है। इसने अलग-अलग भारतीय भाषाओं और बोलियों के साथ-साथ कई वैश्विक भाषाओं को सम्मान दिया है और उनकी शब्दावलियों, पदों और व्याकरण के नियमों को अपनाया है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हिंदी भाषा ने स्वतंत्रता आन्दोलन के मुश्किल दिनों में देश को एकसूत्र में बाँधने का अभूतपूर्व कार्य किया। इसने अनेक भाषाओं और बोलियों में बँटे देश में एकता की भावना स्थापित की।

देश में पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक स्वतंत्रता की लड़ाई को आगे बढ़ाने में संवाद भाषा के रूप में हिंदी की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। शाह ने कहा कि देश में 'स्वराज' प्राप्ति और 'स्वभाषा' के आन्दोलन एकसाथ चल रहे थे। स्वतंत्रता आंदोलन और स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हिंदी की महत्त्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए संविधान निर्माताओं ने 14 सितंबर 1949 के दिन ही हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था।

गृह मंत्री ने कहा कि किसी भी देश की मौलिक और सृजनात्मक अभिव्यक्ति सही मायनों में सिर्फ उस देश की अपनी भाषा में ही की जा सकती है।

ओडिशा में भारी बारिश, घर क्षतिग्रस्त, पुल डूबे

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में बृहस्पतिवार को हुई भारी बारिश के चलते कोरापुट में कम से कम 40 घर क्षतिग्रस्त हो गए और कंधमाल जिले में 60 'कच्चे' घर नष्ट हो गए तथा पुल डूब गए। बारिश के चलते मल्कानगिरि से मोतू तक सड़क संपर्क टूट गया, जबकि बोलांगीर जिले में स्कूल बंद कर दिए गए।

आईएमडी ने शुक्रवार को और बारिश होने का अनुमान जताया है।

विशेष राहत आयुक्त (एसआरसी) कार्यालय ने कहा कि कोरापुट में 40 घरों के क्षतिग्रस्त होने और कंधमाल जिले में 63 'कच्चे' घरों के नष्ट होने की जानकारी मिली है।

OPENS TOMORROW

MAKE A NEW FASHION STATEMENT

HI LIFE

EXHIBITION

Fashion | Style | Decor | Luxury

OVER 250 TOP DESIGNERS

16.17.18 SEPT

THE LaLiT ASHOK BANGALORE

10 am - 8 pm | Valet Parking | Entry fee Rs.80

Image Courtesy NEERU'S

हाई लाइफ की प्रदर्शनी में नजर आएंगे फैशन के अनोखे अंदाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। हाई लाइफ बेंगलूरु में अपने नवीनतम फैशन का प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। देश का मशहूर फैशन शोकेस अपनी चर्चित प्रदर्शनी लेकर वापस आ गया है। आयोजकों ने कहा कि इस बार हाई लाइफ प्रदर्शनी सबसे ट्रेंडिंग फैशन कलेक्शन के साथ आपको रोमांचित करने के लिए तैयार है। आयोजकों ने बताया कि इसका आयोजन 16, 17 और 18 सितंबर को द ललित अशोक में होगा। इस तीन दिवसीय प्रदर्शनी का शहरवासी काफी दिनों से इंतजार कर रहे थे।

आयोजकों ने कहा कि चाहे खूबसूरत डिज़ाइनर परिधान हो, होने वाली दुल्हन के लिए शादी का पहनावा हो या हर दिन के फैशन परिधान, सहायक उपकरण, आभूषण और यहां तक कि आपके घर के लिए फैशन स्टेटमेंट, इस प्रदर्शनी में आप शानदार प्रॉडक्ट पाएंगे।

'कल्पसूत्र साक्षात् कल्पवृक्ष है और उसकी वांचना सर्व श्रेष्ठ वांचना'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजाजीनगर स्थित शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित पन्यासश्री भक्तिरत्नविजयजी, मुनिश्री भाग्यचंद्रविजयजी व बालमुनिश्री भक्तिदर्शनजी ने पर्युषण पर्व की आराधना विषय पर प्रवचन में कहा कि कल्पसूत्र का प्रथम और द्वितीय व्याख्यान पर्युषण के परम पवित्र दिवसों में ही यह आगम वाचना पढ़ने और सुनने की परंपरा है। दुनिया का यह नियम है कि पुरुष के विश्वास से ही उसके वचन पर विश्वास किया जाता है। कल्पसूत्र की रचना करनेवाले चौदह पूर्वधर युगप्रधान आचार्य भद्रबाहुस्वामी है। प्रत्याख्यान प्रवाद नामक नौवें पूर्व से उद्धरित करके दशाश्रुतस्कंध शास्त्र बनाया, उसका यह आठवां अध्ययन है। अतः यह कल्पसूत्र नामक आगम प्रमाणभूत है। सब धर्मों में अपने-अपने किसी एक शास्त्र की विशेष मान्यता या महिमा होती है, उसी मान्यतानुसार जैनों का यह माना हुआ पवित्रतम आगम है। मंत्रो में नवकार, तीर्थों में शत्रुंजय और सूत्रों में कल्पसूत्र से बढ़कर अन्य कोई शास्त्र नहीं है। यह कल्पसूत्र साक्षात् कल्पवृक्ष ही है। इसके वांचन से, वाचक को सहायता करने से और इसके सर्वाक्षर श्रवण करने के साथ विधिपूर्वक आराधना करनेवाला आठ भवों में अंदर मुक्ति को पानेवाला होता है। जैसे कल्पसूत्र सुनना महत्वपूर्ण है, वैसे ही उस पर्व में जिन पूजा, गुरुभक्ति, शास्त्रश्रवण, जीवदया पालन, सांसारिक आरंभ समारंभ का त्याग, दान, शील, तप, भावना, त्याग, व्रत नियम, संयम, उपशांति धन मोह का त्याग इत्यादि धर्माराधना के कई प्रकारों को अपनाकर रहना होता है। इस दृष्टि से जीव मात्र के लिए, (केवल जैनों के लिए ही नहीं) सर्व के लिए इस पर्व का उच्चतम स्थान है।

रेल पहिया कारखाना में हिन्दी दिवस मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के रेल पहिया कारखाने में हिन्दी दिवस के अंतर्गत गुरुवार को हिन्दी पुस्तक व राजभाषा प्रदर्शनी का आयोजन किया जिसमें विभिन्न विभागों की ओर से किए जा रहे कार्यों की प्रस्तुति दी गई। संस्थान की महाप्रबंधक अर्चना जोशी ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया तथा सभी को हिन्दी दिवस की शुभकामनाएं दी।

उन्होंने रेलमंत्री के संदेश का वाचन किया। मुख्य राजभाषा अधिकारी विजयकुमार बोदेले ने गृहमंत्री के संदेश का वाचन किया। इस मौके पर राजभाषा अधिकारी एस सविता ने कार्यक्रम का संचालन किया। प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

लोगों की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचानी चाहिए: रैना ने अब्दुल्ला के बयान पर कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

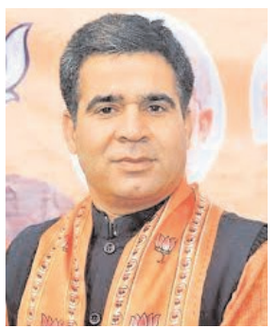

श्रीनगर/जम्मू/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष रविंद्र रैना ने बृहस्पतिवार को कहा कि इस समय किसी को भी ऐसा कोई बयान नहीं देना चाहिए जिससे इस देश के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचे। आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में चार सुरक्षाकर्मियों के शहीद होने के एक दिन बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में खूनखराबा समाप्त करने के लिए पड़ोसी देश पाकिस्तान के साथ वार्ता की जानी चाहिए।

अब्दुल्ला के इस बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए रैना ने पाकिस्तान पर जम्मू कश्मीर में आतंकवाद को समर्थन देने और बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी आतंकवादियों ने बड़े पैमाने पर जघन्य अपराध किए हैं और लगातार खूनखराबा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हमारे वीर जवानों ने हमेशा पाकिस्तान के नापाक इरादों को नाकाम किया है।''

रैना ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''ऐसे समय में जब हमारे वीर सैनिक आतंकवादियों के नापाक इरादों को नाकाम करने के लिए लड़ रहे हैं और अपने जीवन का बलिदान दे रहे हैं, किसी को भी राजनीति नहीं करनी चाहिए।'' जम्मू कश्मीर में अनंतनाग जिले के कोकेरनाग क्षेत्र में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में बुधवार को जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक उपाधीक्षक हुमायूं भट और दो अन्य सुरक्षा अधिकारी कर्नल मनप्रीत सिंह और मेजर आशीष शहीद हो गये थे। एक सैनिक राजौरी में शहीद हुआ था। रैना ने कहा, ''पूरा देश उनकी देशभक्ति को सलाम करता है। आतंकवादियों को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।'' भाजपा नेता अल्ताफ ठाकुर ने कहा कि जम्मू-कश्मीर पर पाकिस्तान के साथ बातचीत की वकालत करने वाले लोगों को सलाखों के पीछे डालने का समय आ गया है। ठाकुर ने कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष धोनैक और उपाधीक्षक हुमायूं भट को श्रद्धांजलि देने के बाद कहा, ''मुझे लगता है कि अब उन लोगों को भी जेल में डालने का समय आ गया है जो पाकिस्तान के साथ वार्ता करने की वकालत करते हैं। ये वही लोग हैं जो यहां पाकिस्तान के मुद्दे को आगे बढ़ाते हैं और उसका समर्थन करते हैं।'' ठाकुर ने कहा कि भारत ने कई बार पाक के साथ बातचीत की लेकिन पड़ोसी देश ने हमेशा धोखा दिया।

वाहन डीलर को भी वाहन 'स्क्रैपिंग' सुविधाएं खोलनी चाहिए: नितिन गडकरी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि वाहन के डीलर को भी वाहन 'स्क्रैपिंग' सुविधाएं खोलनी चाहिए।

पांचवें 'ऑटो रिटेल कॉन्क्लेव' को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि सरकार एक सर्कुलर अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित कर रही है। इससे सरकार डीलर को वाहन 'स्क्रैपिंग' सुविधाएं शुरू करने की अनुमति देगी। उन्होंने कहा कि भारत वैकल्पिक ईंधन तथा जैव ईंधन के इस्तेमाल को प्रोत्साहित कर रहा है। सरकार भारत को हरित हाइड्रोजन का सबसे बड़ा निर्माता बनाने के लिए काम कर रही है। मंत्री ने बताया कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। वाहन डीलर भारत को 5000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

प्रेमी, प्रिय और पूज्य बनाती है प्रभु आराधना : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणीबेन्नूर। यहां शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजी ने प्रवचन में कहा कि पर्व के दिन धर्मात्माओं के लिए अत्यन्त पवित्र गिना जाता है। ऐसे समय में प्रमाद करना यह तेजी के समय धंधा करने के बजाय सोचे रहने के रहने वाला मूर्ख गिना जाता है, वैसे आराधना करने के इस अवसर में प्रमाद करने वाला भी मूर्खो का सरदार ही गिना जाएगा। पर्व की आराधना में सही रूप में पापों से अटकना होता है और त्याग में आना होता है। त्याग के बिना प्रेमी-प्रिय-पूज्य नहीं बन सकते। प्रेमी प्रिय या पूज्य बनना है आपको। उसकी तीन शर्तें है कि धनी ये तीनों ही बनेगा। परमात्मा की तीन बातें आप प्रेमी बनो, आप प्रिय बनो या आप पूज्य बन जाओ। धर्मरत्न प्रकरण में पाँचवे नंबर का गुण लिखा है लोकप्रिय बनेगा श्रावक आपको प्रेमी बनना है तो भी त्याग और प्रिय बनना है तब भी त्याग करना पड़ेगा।

आत्मा को पुष्ट करे, उसे पौषध कहते हैं : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने पर्युषण के तीसरे व्याख्यान पौषध व्रत में कहा कि शरीर को पुष्ट करे, उसे औषध कहते हैं। आत्मा को पुष्ट करे, उसे पौषध कहते हैं। पौषध अर्थात् चार अथवा आठ प्रहर तक सामायिक में रहने की प्रतिज्ञा।

पौषध अर्थात् साधु जीवन का आस्वाद लेना। पौषध में श्रावक, साधुवत् जीवन जीता है। चार प्रहर के पौषध से 15 सामायिक तथा आठ प्रहर के पौषध से 30 सामायिक का लाभ मिलता है। आहार का आंशिक अथवा सर्वथा त्याग आहार पौषध कहलाता है। चौविहार उपवास में आहार का सर्वथा त्याग होता है, जबकि तिविहार उपवास, आर्यबिल, नीवि और एकाशने में आहार का आंशिक त्याग होता है। स्नान करना, तेल लगाना, चंदन-बरास का विलेपन करना, फूलों का हार पहिनना आदि शरीर शणगार के त्याग को शरीर सत्कार पौषध कहते हैं। सर्वथा ब्रह्मचर्य का पालन करना, उसे ब्रह्मचर्य पौषध कहते हैं । व्यापार आदि सावध पाप कर्म के त्याग को अव्यापार पौषध कहते हैं।

मेघराज भंसाली ने बताया कि अभिषेक का लाभ गुलाबचंद गोरमल मोदी ने लिया। कल्पसूत्र वोहराने के लाभार्थी मांगीलाल फोजमल दुर्गाणी परिवार व अन्य तपस्वियों का संघ द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट अध्यक्ष मेघराज भंसाली, धीरज भंडारी, नेमीचंद वेदमुथा, हेमराज मोदी, कांतिलाल गांधीमुथा, कांतिलाल सोफाडिया, घेवरचंद सालेचा, चंपालाल बंदामुथा, कांतिलाल कंकुचोपडा, सुरेश वाणीगोता, बाबुलाल सवाणी, गुलाबचंद वाणीगोता, दिलीप कांकरिया, रमेश पालगोता, जयंतीलाल पटियात, कीर्तिकुमार बंदामुथा आदि उपस्थित रहे।

भारत की जी20 अध्यक्षता "ऐतिहासिक", दुनिया को चुनौतियों से निपटने में मदद करेगी : सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने कहा है कि जी20 सम्मेलन की मेजबानी करना भारत के लिए एक ऐतिहासिक क्षण था और भारत की अध्यक्षता के दौरान तैयार की गई रूपरेखा दुनिया को अगले दशक में चुनौतियों से निपटने में मदद करेगी। भारत की अध्यक्षता में जी20 नेताओं का शिखर सम्मेलन 10 सितंबर को संपन्न हुआ।

केंद्रीय इस्पात एवं नागरिक उड्डयन मंत्री सिंधिया ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, जी20 की अध्यक्षता ऐतिहासिक रही है। जब मैं ऐतिहासिक शब्द का उपयोग करता हूं तो इसके कई कारण हैं और पूरी दुनिया ने अनुभव किया है।'' उन्होंने कहा, ''न केवल दिमाग बल्कि दिलों को भी प्रभावित करने की भारत की शक्ति और क्षमता ने भारत आए प्रत्येक प्रतिनिधि के साथ भावनात्मक जुड़ाव स्थापित किया है।'' पिछले साल भारत ने व्यापक आर्थिक मुद्दों, व्यापार, सतत विकास, स्वास्थ्य, कृषि, ऊर्जा, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और भ्रष्टाचार संबंधी चुनौतियों को लेकर सदस्य देशों के बीच चर्चा और पहल को आगे बढ़ाने के लिए पहली बार जी20 की अध्यक्षता संभाली थी।

'उच्चतम न्यायालय को जल्द ही राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड से जोड़ा जाएगा'

नई दिल्ली/भाषा। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि उच्चतम न्यायालय को जल्द ही राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड (एनजेडीजी) से जोड़ा जाएगा। एनजेडीजी, ई-कोर्ट परियोजना के तहत एक ऑनलाइन मंच के रूप में बनाए गए जिला और अधीनस्थ न्यायालयों और उच्च न्यायालयों के आदेशों, निर्णयों और मामलों के विवरण का एक डेटाबेस है। वर्तमान में पोर्टल केवल उच्च न्यायालय स्तर तक के डेटा दिखाता है। प्रधान न्यायाधीश ने जब शीर्ष अदालत में दिन की कार्यवाही शुरू की तो उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत का डेटा वास्तविक समय के आधार पर एनजेडीजी पर अपलोड किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''एक छोटी सी घोषणा। यह एक ऐतिहासिक दिन है। यह एक अनूठा और सूचनात्मक मंच है जिसे एनआईसी और उच्चतम न्यायालय की इनहाउस टीम द्वारा विकसित किया गया है। अब एक बटन के क्लिक पर आप लंबित मामलों और निपटारा किए गए मामलों की वास्तविक स्थिति की जानकारी, वर्षवार पंजीकृत और गैरपंजीकृत लंबित मामले, कोरम-वार तय किए गए मामलों की संख्या देख सकते हैं।''

सीजेआई ने कहा कि एनजेडीजी पर डेटा अपलोड करने से न्यायिक क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी। एनजेडीजी 18,735 जिला और अधीनस्थ न्यायालयों और उच्च न्यायालयों के आदेशों, निर्णयों और मामले के विवरण का एक डेटाबेस है। इससे जुड़ी जिला और तालुका अदालतों द्वारा डेटा को वास्तविक समय के आधार पर अपडेट किया जाता है। यह देश के सभी कम्प्यूटरीकृत जिला और अधीनस्थ न्यायालयों की न्यायिक कार्यवाही/निर्णयों से संबंधित डेटा प्रदान करता है।

शिंदे से मुलाकात के बाद मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे की भूख हड़ताल समाप्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

औरंगाबाद/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आश्वासन के बाद मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने बृहस्पतिवार को भूख हड़ताल खत्म कर दी। वह मराठा समुदाय को आरक्षण देने की मांग को लेकर 17 दिन से भूख हड़ताल पर थे। मुख्यमंत्री शिंदे ने जरांगे से मुलाकात करके मराठा समुदाय को आरक्षण प्रदान करने का आश्वासन किया, जिसके बाद उन्होंने भूख हड़ताल खत्म कर दी। शिंदे पूर्वाह्न लगभग पौने 11 बजे अपने कुछ मंत्रियों के साथ जालना जिले के अंतरवाली सरती गांव पहुंचे और जरांगे से मुलाकात की। जरांगे मराठा समुदाय को आरक्षण देने की मांग को लेकर गांव में भूख हड़ताल पर बैठे थे।

जरांगे ने पूर्वाह्न लगभग 11 बजकर 15 मिनट पर मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया एक गिलास जूस पीकर अपना अनशन खत्म किया। वह मराठा समुदाय को सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण देने की मांग को लेकर 29 अगस्त से भूख हड़ताल पर थे।

जरांगे की भूख हड़ताल के दौरान एक सितंबर को अंतरवाली सरती गांव में एकत्र लोगों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया था, जिसे लेकर राज्य के विभिन्न हिस्सों में तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की गई थी। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि उनकी सरकार मराठा समुदाय को आरक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पुण्य से प्राप्त होता है संघ की सेवा का लाभ : मुनि राजपद्मसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ ट्रस्ट के तत्वावधान में एलएनपुरम स्थित समणी भवन के प्रांगण में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री राजपद्मसागरजी ने संघ पूजा के कर्तव्य में समझाते हुए कहा कि संघ की भक्ति करना भी जब हम पूर्व भव में पुण्य किया होगा तब जाकर संघ में स्थान और पद मिलता है और संघ सेवा करने का मौका आये तो चूकना नहीं अपितु फायदा उठाना चाहिए।

साधार्मिक भक्ति अर्थात अपने सहधर्मी भाइयों का सहयोग करना। मुनि श्री श्रमणपद्मसागरजी ने कहा कि अज्ञानी जीवात्मा राग में सुख की कल्पना करते है। पर उनकी यह कल्पना कच्ची मिट्टी के महल की भांति टूट गिरती है। ये दुःख के दावानल में सुलगते है। संसार की यह वास्तविकता है।

कीमतों में बढ़ोतरी के बाद सरकार ने गेहूं व्यापारियों, थोक विक्रेताओं के लिए 'स्टॉक' की सीमा घटाई

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने गेहूं की कीमतों में तेजी आने के बीच बृहस्पतिवार को गेहूं व्यापारियों, थोक विक्रेताओं और बड़ी खुदरा श्रृंखला विक्रेताओं पर स्टॉक सीमा को 3,000 टन से घटाकर 2,000 टन कर दिया है। यह कदम तत्काल प्रभाव से लागू होगा। इस निर्णय की घोषणा करते हुए खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा, ''कीमतों में हालिया वृद्धि को ध्यान में रखते हुए हमने स्टॉक सीमा की समीक्षा की है और आज से व्यापारियों, थोक विक्रेताओं और बड़ी खुदरा श्रृंखला के विक्रेताओं के लिए स्टॉक सीमा को घटाकर 2,000 टन कर दिया गया है।''

तीन महीने पहले 12 जून को सरकार ने इन गेहूं कारोबारियों पर मार्च, 2024 तक 3,000 टन की स्टॉक रखने की सीमा लगाई थी। स्टॉक सीमा को घटाकर 2,000 टन कर दिया गया है क्योंकि सरकार ने पाया कि पिछले एक महीने में एनसीडीईएक्स पर गेहूं की कीमतों में चार प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है और यह बढकर 2,550 रुपये प्रति क्विंटल हो गई है।''

घरेलू विनिर्माण बढ़ने से भारत के चीन से सौर आयात में गिरावट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के 2023 की पहली छमाही में चीन से सौर मॉड्यूल के आयात में 76 प्रतिशत की भारी गिरावट आई है। बृहस्पतिवार को एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई। यह सौर विनिर्माण में आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वैश्विक ऊर्जा शोध संस्थान एम्बर की रिपोर्ट के अनुसार, सालाना आधार पर चीन से भारत का सौर मॉड्यूल आयात 2022 की पहली छमाही में 9.8 गीगावॉट से घटकर 2023 में इसी अवधि में मात्र 2.3 गीगावॉट रह गया।

एम्बर के भारत विद्युत नीति विश्लेषक नेशविन रोड्रिग्स ने कहा, '' सौर मॉड्यूल आयात के लिए चीन पर भारत की निर्भरता 2022 के बाद वास्तव में कम हो रही है। हालिया नीतिगत हस्तक्षेपों से घरेलू विनिर्माण गति पकड़ रहा है।'' उन्होंने कहा, '' जैसा कि भारत सौर विनिर्माण में आत्मनिर्भरता के करीब पहुंच गया है, चीनी मॉड्यूल तथा सेल पर निर्भरता अब कोई बाधा नहीं है। '' भारत ने आयात में कटौती और स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए अप्रैल 2022 से सौर मॉड्यूल पर 40 प्रतिशत और सौर सेल पर 25 प्रतिशत का सीमा शुल्क लगाना शुरू कर दिया था।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि 2023 की पहली छमाही में चीन के सौर पैनल के निर्यात में प्रभावशाली तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो दुनियाभर में कुल 114 गीगावॉट तक पहुंच गया। पिछले साल समान अवधि में यह 85 गीगावॉट था।

निपाह का 'एंटीवायरल' केरल पहुंच गया है: राज्य सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि निपाह वायरस से संक्रमित लोगों के इलाज के लिए जरूरी 'मोनोक्लोनल एंटीबॉडी' राज्य पहुंच गई है। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि दिन में स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के बीच बैठक हुई थी और अब 'मोनोक्लोनल एंटीबॉडी' आ गई है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि इसकी प्रभावशीलता अभी तक चिकित्सकीय रूप से साबित नहीं हुई है लेकिन यह निपाह वायरस संक्रमण के लिए यह एकमात्र उपलब्ध 'एंटीवायरल' उपचार है तथा इसके बारे में एक केंद्रीय विशेषज्ञ समिति के साथ चर्चा की गई है।

जॉर्ज ने कहा, ''विशेषज्ञ समिति द्वारा आगे के कदम के बारे में निर्णय किया जाएगा।'' मंत्री ने इससे पहले दिन में राज्य विधानसभा में कहा था कि लोगों को कोझिकोड जिले में निपाह वायरस के प्रकोप को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है लेकिन अपनी दिनचर्या में उन्हें सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने विधानसभा में दिए एक बयान में कहा, 'घबराने की कोई जरूरत नहीं है। हम सब साथ मिलकर सावधानी से इस मुद्दे का सामना कर सकते हैं।'

'निपाह वायरस से लोगों को घबराने की जरूरत नहीं'

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि लोगों को कोझिकोड जिले में फैले निपाह वायरस संक्रमण से घबराने की बिल्कुल जरूरत नहीं है लेकिन अपनी दिनचर्या में उन्हें सावधानी बरतनी चाहिए। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने वायरस को फैलने से रोकने और संक्रमितों के उपचार को लेकर 11 सितंबर की रात से सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों का विवरण दिया। उत्तर केरल जिले में निपाह वायरस से दो लोगों की मौत होने का संदेह है। उन्होंने विधानसभा में दिए एक बयान में कहा, 'घबराने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। हम सब साथ मिलकर सावधानी से इस समस्या का सामना कर सकते हैं।' दिमाग को नुकसान पहुंचाने वाले इस वायरस से कोझिकोड जिले में दो लोगों की मौत हुई है और तीन अन्य संक्रमित हैं।

कर्नाटक सरकार ने 161 तालुकों को सूखाग्रस्त घोषित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने गुरुवार को राज्य के 161 तालुकों को गंभीर रूप से सूखाग्रस्त घोषित किया है। सरकार ने यह भी घोषणा की कि 34 तालुका मध्यम सूखे का सामना कर रहे थे।

एक सरकारी बयान में कहा गया है कि 2023 के मानसून के दौरान, राज्य के 31 जिलों और 236 तालुकों में से 195 तालुक सूखे की स्थिति का सामना कर रहे हैं। सरकार का कहना है कि कम से कम 161 तालुकों को सूखे से गंभीर रूप से प्रभावित माना जाता है। 34 को तत्काल प्रभाव से अगले 6 महीनों के लिए या इस संबंध में अगले आदेश तक सूखे से मामूली रूप से प्रभावित किया जाता है।

राज्य सरकार ने केंद्र सरकार के सूखा घोषणा दिशानिर्देशों के अनुसार किए गए जिला आयुक्तों की रिपोर्ट के आधार पर फैसला लिया। मानसून के आगमन और प्रसार के बीच एक सप्ताह की देरी होती है। जून में मानसून कमजोर हो गया और सामान्य से 56 फीसदी बारिश की कमी रही। जुलाई में राज्य में 20 फीसदी अतिरिक्त मानसूनी बारिश हुई, हालांकि, यह केवल एक सप्ताह तक ही चली।

अगस्त में बारिश की कमी 70 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो पिछले 125 वर्षों में सबसे कम है। इससे पहले कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा प्रबंधन समिति (केएसएनडीएमसी) की रिपोर्ट के अनुसार, 1 जून 2023 से 19 अगस्त, 2023 के बीच की अवधि के लिए राज्य में 487 मिमी बारिश हुई थी। मापदंड के अनुसार, मूल्यांकन किया गया तो 113 तालुकों में सूखे की स्थिति पाई गई। बाद में, अधिकारियों ने 113 तालुकों के 1,519 गांवों में फसल नुकसान का भी अध्ययन किया था। कर्नाटक के राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने बुधवार को कहा कि राज्य के 227 में से 195 तालुक सूखे जैसी स्थिति का सामना कर रहे हैं। 15 दिनों के बाद 40 तालुकों में फसल सर्वेक्षण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि वे सूखाग्रस्त क्षेत्रों की श्रेणी में आते हैं तो उन्हें भी सूची में शामिल किया जाएगा।

भाजपा टिकट घोटाला

कथित हिंदू कार्यकर्ता का दावा... घोटाले में बड़ी हस्तियां हैं शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गिरफ्तार हिंदू कार्यकर्ता चैत्रा कुंदापुरा ने गुरुवार को दावा किया कि कर्नाटक में भाजपा टिकट घोटाले में बड़ी हस्तियां शामिल हैं। यहां सिटी सेंट्रल क्राइम ब्रांच (सीसीबी) भवन में पूछताछ के लिए ले जाए जाने के दौरान उन्होंने मीडियाकर्मियों से यह टिप्पणी की। स्वामीजी को गिरफ्तार होने दीजिए, और सच्चाई सामने आ जाएगी। इस मामले में कई बड़ी हस्तियां शामिल हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह इस मामले में मुख्य आरोपी हैं, तो चैत्रा ने कहा कि इंदिरा कैंटीन (सरकार द्वारा संचालित और सब्सिडी वाला भोजन प्रदान करने वाली कैंटीन) के बिल लंबित हैं और इसीलिए यह साजिश रची जा रही है। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें मुख्य आरोपी बनाया गया है, उन्होंने कहा, रहने दीजिए। सच्चाई सामने आ जाएगी।

चैत्रा के बयानों से राज्य में बड़ा विवाद खड़ा हो गया है और घोटाले में भाजपा और आरएसएस के शीर्ष नेताओं की संलिप्तता पर सवाल खड़े हो गए हैं। मई में हुए विधानसभा चुनाव में पार्टी ने 72 नए चेहरों को टिकट दिया था, लेकिन करारी हार का सामना करना पड़ा। कर्नाटक पुलिस ने चैत्र को मंगलवार रात उडुपी में एक उद्योगपति गोविंदा बाबू पुजारी को विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए भाजपा का टिकट दिलाने का वादा कर 5 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

पुलिस ने उसके सहयोगी होने का आरोप लगाते हुए छह लोगों को भी गिरफ्तार किया है। विजयनगर जिले के हुविनाहाडागली में हिरेहादागली मठ के अभिनव हलश्री स्वामीजी इस मामले में एक अन्य आरोपी हैं। कुंदापुरा की गिरफ्तारी के बाद से स्वामीजी फरार हैं और पुलिस ने उनकी तलाश शुरू कर दी है।

गुरुवार को चैत्रा की टिप्पणी फरार आरोपी के संदर्भ में थी, जिसने कथित तौर पर शिकायतकर्ता से 1.5 करोड़ रुपये लिए थे। पुलिस के अनुसार, चैत्रा ने दक्षिण कन्नड़ जिले के बैंदुर निर्वाचन क्षेत्र से गोविंदा बाबू पुजारी को भाजपा का टिकट दिलाने का वादा किया था और दावा किया था कि वह आरएसएस के नेताओं को जानती है, जो उसे टिकट दिलवा सकते हैं। शिकायतकर्ता ने उल्लेख किया था कि उसे मठ में ले जाया गया था, जहां स्वामीजी ने पैसे की मांग की थी और उसने पैसे बेंगलूरु में अपनी जयनगर शाखा में दिए थे।

आरोपी चैत्रा कुंदापुर

स्वामीजी ने दावा किया था कि उनके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से करीबी संबंध हैं और उन्होंने यह भी आश्वासन दिया था कि अगर उन्हें टिकट नहीं मिला, तो पैसे वापस कर दिये जायेंगे। जब बाबू टिकट पाने में असफल रहे, तो उन्होंने चैत्र से अपने पैसे वापस करने को कहा। अपनी शिकायत में, बाबू ने दावा किया था कि आरोपी ने उसके पैसे वापस करने से इनकार कर दिया और उसे धोखा दिया।

उन्होंने उनकी आय के स्रोत को केंद्रीय जांच एजेंसियों के सामने उजागर करने की धमकी दी। चैत्र दक्षिणपंथी कार्यकर्ताओं और हिंदुत्व अनुयायियों के बीच लोकप्रिय है। नफरत भरे भाषण देने के मामले में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई हैं। बाबू ने खुद को एक सामाजिक कार्यकर्ता और बिलवा समुदाय के नेता बताया है, जो तटीय कर्नाटक क्षेत्र में प्रभावशाली है।

धोखाधड़ी मामले से भाजपा का कोई लेनादेना नहीं : बोम्मई

मंगलूरु। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने बृहस्पतिवार को कहा कि हिंदुत्व कार्यकर्ता चैत्रा कुंदापुरा से संबंधित विधानसभा सीट धोखाधड़ी मामले से भाजपा का कोई संबंध नहीं है और पार्टी अपने नाम का दुरुपयोग करने वाले ऐसे तत्वों पर गंभीरता से विचार करेगी। बोम्मई ने यहां पत्रकारों से कहा कि जांच के बाद सच्चाई सामने आ जाएगी और मामले में शामिल सभी लोगों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

चैत्रा कुंदापुरा के इस बयान पर कि मामले में शामिल प्रमुख नेताओं के नाम उजागर किए जाएंगे, बोम्मई ने कहा, नाम सामने आने दीजिए। जांच शुरू हो गई है और इसमें शामिल सभी लोगों को सजा मिलनी चाहिए।

लोकसभा चुनाव के लिए राज्य में जनता दल (एस) के साथ प्रस्तावित समझौते पर बोम्मई ने कहा कि सीट बंटवारे पर चर्चा प्रारंभिक चरण में है और

वरिष्ठ नेता बातचीत करके उचित निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा कर्नाटक में ज्यादा से ज्यादा सीटें पाने की इच्छुक है। राज्य में सूखे की स्थिति से संबंधित एक सवाल के जवाब में बोम्मई ने कहा कि सरकार को कमजोर मानसून के कारण किसानों की फसल को हुए नुकसान का मुआवजा देने के लिए तुरंत कदम उठाना चाहिए।

पुलिस ने बरामद किए 94 लाख रुपए

एचएन श्रीनिवासप्रसाद
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रमोद (35) आईटीआई लेआउट, तीसरा मैन में रह रहे हैं। उनका लोगों को बीपीओ कम्पनियों में काम दिलाने का काम है। गत दिनों में अपने लिए एक साइट खरीदने का सोचा। साइट की कीमत में लगभग 1 करोड़ रुपए कम पड़ रहे थे। जिसके लिए उन्होंने अपने एक गहने दोस्त से बात की। दोस्त पैसे देने के लिए तैयार हो गया। गत 6 सितम्बर को वह अपने दोस्त के दुकान पर गए और वहां से 94 लाख रुपए नकद लेकर सूटकेस में रखे और साथ ही जमीन आदि के दस्तावेज आदि भी थे। वह दोस्त की दुकान से सुबह निकले कि जाते समय एडवोकेट को दस्तावेज आदि दिखाएंगे। वह सूटकेस लेकर कार की तरफ बढ़े वहां किसी काम के चलते वह कार के पास खड़े सफेद स्कूटर की सीट पर अपना सूटकेस रखा और कार खोलने लगे। कार में बैठने के समय वह स्कूटर पर रखा सूटकेस लेना भूल गए। जब वह एडवोकेट के यहां पहुंचे तो सूटकेस की याद आई तो उन्हें पता चला कि वह तो स्कूटर पर रखा था और वह आगे निकल आए। तुरन्त उन्होंने कार घुमाई और उस जगह पर पहुंचे। तो देखा वहां कोई स्कूटर और सूटकेस नहीं मिला। उन्होंने चन्द्रालेआउट पुलिस को पूरे मामले की शिकायत की।

पुलिस ने बड़ी रकम को लेकर मामले की गंभीरता समझते हुए घटनास्थल के आसपास के लगभग 200 सीसीटीवी को खंगाला। उसमें सफेट स्कूटर पर सूटकेस रखा दिखा। पुलिस ने स्कूटर का नम्बर निकालकर आरटीओ से जानकारी लेकर स्कूटर वाले के पास पहुंचे। पुलिस को वरुण नामक व्यक्ति कालप्पा ब्लॉक में रहने वाला उसके पास स्कूटर मिला। पुलिस ने उससे पूछताछ की और कहा कि वह स्वयं आगे आकर बताएगा तो सजा कम होगी। तो उसने माना कि उसके पास पैसे हैं।

वरुण ने बताया कि वह क्रेडिट कार्ड कम्पनी में प्रोमोशन का काम करता है। उस दिन जब वह स्कूटर के पास आया तो उस पर सूटकेस था। उसने खोलकर देखा तो उसमें पैसे थे। आसपास जब कोई नहीं मिला तो उसने भगवान को धन्यवाद दिया कि प्रभु ने उसके पास लक्ष्मी को भेजा है। वह पैसे लेकर घर आ गया। घर में पैसे उसने एक सुरक्षित स्थान पर रखे और लगभग पांच दिन तक वह सोचता रहा कि उस पैसे का क्या करें। बाद में उसने सोचा कि एक सैकेन्ड हैंड इनोवा कार लेगा और उसे चलाएगा। जिसके लिए वह ऑनलाइन कार ढूंढने लगा। इस बीच लगभग 5 हजार रुपए उसने उपयोग में लिए। इसी बीच पुलिस उसे पूछते हुए उसके पास पहुंच गई। पुलिस को 94 लाख रुपए में मात्र 5 हजार रुपए कम मिले। पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में उसे प्रस्तुत किया।

इसरो की लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान प्रौद्योगिकी में 23 कंपनियों ने दिखाई रुचि : गोयनका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। निजी क्षेत्र की 23 कंपनियों ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान प्रौद्योगिकी को खरीदने में रुचि दिखाई है। एक शीर्ष अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी देते हुए इसे उत्साहजनक 'प्रतिक्रिया' बताया। भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) के अध्यक्ष पवन के गोयनका ने कहा कि वे इस बात को लेकर उत्सुक हैं कि निजी क्षेत्र किस तरह लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) प्रौद्योगिकी का उपयोग करता है।

उन्होंने कहा, उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है। अब तक 23 कंपनियों ने इस प्रौद्योगिकी के लिए आवेदन करने में रुचि दिखाई है। जाहिर है कि किसी एक को यह मिलेगी। अंतरिक्ष विभाग (डीओएस) के तहत स्वायत्त नोडल एजेंसी के रूप में काम करने वाली इन-स्पेस' का गठन 2020 में हुआ था। उसने गत जुलाई महीने में एसएसएलवी के प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (टीओटी) के लिए अभिरुचि पत्र (ईओआई) जारी किया था और इस पर जवाब देने की अंतिम तारीख 25 सितंबर है।

गोयनका ने कहा, 'प्रौद्योगिकी हस्तांतरण एक ऐसी चीज है जिस पर हम बहुत आक्रामक तरीके से काम कर रहे हैं, क्योंकि हम वास्तव में यह देखना चाहते हैं कि निजी क्षेत्र द्वारा इसरो की प्रौद्योगिकी का लाभ कैसे उठाया जाता है। इस क्षेत्र में बहुत कुछ हो रहा है और सबसे बड़ा पहलू निश्चित रूप से एसएसएलवी प्रौद्योगिकी हस्तांतरण है, जहां हम प्रक्षेपण यान की समस्त तकनीक निजी क्षेत्र को स्थानांतरित कर रहे हैं।' भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा यहां आयोजित अंतरिक्ष पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन' के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, यह शायद पहला उदाहरण है जहां दुनिया में कहीं भी किसी एजेंसी ने प्रक्षेपण यान की पूरी डिजाइन को निजी क्षेत्र को स्थानांतरित किया है।

गोयनका ने कहा कि निजी क्षेत्र को 42 एप्लीकेशन या अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियां हस्तांतरित की जानी हैं। उन्होंने कहा कि इसरो और इन-स्पेस इस प्रक्रिया के लिए मिलकर काम कर रहे हैं और 19 प्रौद्योगिकियां हस्तांतरण के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, हम एक राज्य के साथ सहमति-पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया में हैं और एक अन्य राज्य के साथ भी इस दिशा में काम हो रहा है।

गोयनका ने कहा कि इस समय भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था 8 अरब डॉलर की है और इसे 2033 तक 44 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य है। ऑस्ट्रेलिया उच्चायोग की उप उच्चायुक्त सारा स्टोरी ने इस मौके पर अपने संबोधन में अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत के साथ सहयोग और साझेदारी की अपने देश की प्रतिबद्धता को दोहराया। ऑस्ट्रेलियन स्पेस एजेंसी के प्रमुख एनरिको पालेर्मो ने सम्मेलन में अपने वीडियो संदेश के माध्यम से दोनों देशों के बीच साझेदारी के क्षेत्रों का उल्लेख किया। दोनों ने अंतरिक्ष क्षेत्र में, खासतौर पर चंद्रयान-3 तथा आदित्य एल-1 मिशन में भारत की उपलब्धियों की प्रशंसा की।

हनी ट्रैप घोटाले की महिला सरगना चोरी के मामले में बेंगलूरु में पकड़ी गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक पुलिस ने चार साल पहले मध्य प्रदेश को हिलाकर रख देने वाले हनी ट्रैप कांड की कथित सरगना आरती दयाल को चोरी के एक मामले में बेंगलूरु से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उसके रूममेट द्वारा 10 लाख रुपये के गहने और नकदी की चोरी की शिकायत के बाद बेंगलूरु की महादेवपुरा पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। शिकायत 6 सितंबर को दर्ज की गई और पूछताछ के बाद आरोपी महिला को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

चेन्नई में फरार चल रहे आरोपी का पता लगाया गया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी स्पॉ सेंटरों में थेरेपिस्ट के तौर पर काम करती थी और एक सहकर्मी के कमरे पर रुकती थी। गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ के दौरान पुलिस को आरोपी की पृष्ठभूमि के बारे में पता चला। कर्नाटक पुलिस ने सरगना की गिरफ्तारी की सूचना मध्य प्रदेश पुलिस विभाग को दे दी है। पुलिस बेंगलूरु में अन्य अपराधों में उसकी संलिप्तता की जांच कर रही है।

पुलिस ने आरती, सोनू, सामंथा, अग्रवाल बनकर चेन्नई और अन्य शहरों में स्पॉ में काम करने वाले आरोपियों के बारे में भी जानकारी जुटाई है। हनी ट्रैप कांड 2019 में सामने आया था जब मध्य प्रदेश पुलिस ने इंदौर नगर निगम से जुड़े एक इंजीनियर को हनी ट्रैप में फंसाने के मामले में आरोपी की सहयोगी श्वेता को गिरफ्तार किया था।

बाद की जांच में पता चला कि आरती दयाल के गिरोह ने सरकारी अधिकारियों, राजनेताओं और प्रभावशाली व्यक्तियों को निशाना बनाया और हनी ट्रैप ऑपरेशन को अंजाम दिया। राजनेताओं के वीडियो भी सामने आए, जिससे यह राष्ट्रीय खबर बन गई। दयाल को 2020 में अदालत से जमानत मिल गई। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ ने हाल ही में सरकारी वकील से आरोपी के ठिकाने के बारे में पूछताछ की थी क्योंकि वह रडार से दूर हो गई थी। अदालत ने सवाल किया था कि आरोपी आरती दयाल जीवित है या मृत।

मणिपाल ग्लोबल एजुकेशन सर्विसेज ने 'मेडएस' लॉन्च किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मणिपाल ग्लोबल एजुकेशन सर्विसेज ने गुरुवार को मेडिकल लर्निंग और मेडिकल पीजी तैयारी के लिए अपनी तरह का पहला सुपर ऐप मणिपाल मेडएस लॉन्च किया, जो नए मोबाइल और क्लाउड फर्स्ट फॉर्मेट में है।

मणिपाल मेडएस अकादमिक और शिक्षार्थी अनुसंधान पर निर्मित व्यापक और परिणाम संचालित संसाधन है। यह एमबीबीएस छात्रों को अपने लर्न प्रॉडक्ट के माध्यम से एक ही मंच पर व्यापक और क्यूरेटेड शिक्षण संसाधन तक पहुंच प्रदान करके कैंपस लर्निंग को पूरा करने में सक्षम बनाता है।

यह अपने प्रेप प्रॉडक्ट के जरिए पीजी उम्मीदवारों के लिए व्यक्तिगत अनुभव प्रदान करता है, जो कुशल, अव्यवस्था मुक्त और तनाव मुक्त है, जिससे मेडिकल छात्रों का जीवन आसान हो जाता है।

मणिपाल मेडएस का अनावरण मणिपाल ग्लोबल एजुकेशन सर्विसेज (एमएजीई) के प्रबंध निदेशक और सीईओ रवि पंचनादान तथा मणिपाल मेडएस की उत्पाद विकास प्रमुख प्रीति फ्रेडरिक की मौजूदगी में किया गया।

मणिपाल एजुकेशन एंड मेडिकल ग्रुप (एमईएमजी) के अध्यक्ष डॉ. रंजन पई ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में, मणिपाल समूह ने कई अग्रणी पहल की हैं, जिन्होंने दुनियाभर में प्रगति का मार्ग प्रशस्त किया है। मणिपाल मेडएस के साथ, हम शिक्षार्थियों को और भी बेहतर डॉक्टर बनने में मदद करके चिकित्सा शिक्षा पर सकारात्मक प्रभाव डालने की इच्छा के साथ नवाचार के लिए अपने जुनून को जोड़ रहे हैं। मुझे एक एमबीबीएस छात्र के सामने आने वाली चुनौतियों की प्रत्यक्ष समझ है और मणिपाल मेडएस छात्रों के लिए एक शिक्षण उत्प्रेरक बनाने का हमारा प्रयास है।

लॉन्च के अवसर पर बोलते हुए, रवि पंचनादान ने टिप्पणी की, मेडएस के साथ हमने उपयोगकर्ता के

अनुकूल तरीके से नवीनतम डिजिटल तकनीक का उपयोग करके शीर्ष स्तरीय चिकित्सा सामग्री प्रदान करने में अपनी 60 साल की विशेषज्ञता को संयोजित किया है। प्रीति फ्रेडरिक ने कहा, ऐप की नींव शिक्षार्थियों की जरूरतों को समझने में निहित है।

एनआई ने खड से संबंधों के लिए कर्नाटक के युवक से की पूछताछ

यादगीर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के अधिकारियों ने गुरुवार को कर्नाटक के यादगीर जिले के शाहपुर शहर में एक युवक और उसके परिवार से आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) के साथ संबंध के आरोप में पूछताछ की। सूत्रों ने कहा कि सचिदानंद शर्मा की अध्यक्षता वाली एक टीम ने शाहपुरा निवासी 22 वर्षीय खालिद अहमद और उसके परिवार के सदस्यों से पूछताछ की।

अहमद पर संदिग्ध आईएस आतंकवादी फैयाज के साथ संबंध होने का संदेह है क्योंकि वे इंस्टाग्राम पर जुड़े हैं। फैयाज को रांची में पकड़ा गया। एनआईए की टीम ने सुबह अहमद के आवास पर छापा मारा और संदिग्ध से चार घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की।

दपरे ने इस वित्तीय वर्ष में अगस्त तक शानदार माल ढुलाई और राजस्व दर्ज किया

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) ने इस वित्तीय वर्ष में अगस्त तक 19.27 मिलियन टन प्रारंभिक माल लदान दर्ज किया है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में पंजीकृत लदान से 9.4 प्रतिशत ज्यादा है। 8.27 मिलियन टन लौह अयस्क, 3.45 मिलियन टन स्टील, 0.87 मिलियन टन खनिज तेल, 0.49 मिलियन टन उर्वरक, 270 ऑटोमोबाइल रेक की लोडिंग से जोन ने 1909.77 करोड़ रुपए का माल ढुलाई राजस्व अर्जित किया है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान अर्जित राजस्व से 13.9 प्रतिशत ज्यादा है।

इसी तरह मैसूरु मंडल ने अप्रैल से जुलाई 2023 के दौरान 3.12 मिलियन टन मूल माल लोड किया है, जो 2.58 मिलियन टन है। यह पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में लगभग 21 प्रतिशत ज्यादा है। रेल मंत्रालय ने दक्षिण पश्चिम रेलवे के मैसूरु मंडल की इस उपलब्धि की सराहना की और डेढ़ लाख रुपए का नकद पुरस्कार दिया है।

महाप्रबंधक संजीव किशोर ने प्रारंभिक माल ढुलाई में मैसूरु मंडल के उत्कृष्ट प्रदर्शन और नकद पुरस्कार की उपलब्धि की सराहना की है। उन्होंने दक्षिण पश्चिम रेलवे में आगे भी उच्च लोडिंग दर्ज करने का भरोसा जताया है। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अनीश हेगड़े ने दी है।

केआईआईटी और सीएमई समूह ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

बेंगलूरु/भुवनेश्वर। भुवनेश्वर के केआईआईटी-डीयू और दुनिया के अग्रणी डेरिवेटिव मार्केटप्लेस सीएमई समूह ने गुरुवार को नौकरी बाजार के लिए विद्यार्थियों के बीच मुख्य तकनीकी और वित्तीय दक्षताओं को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। सीएमई समूह केआईआईटी-डीयू के स्नातक विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करेगा और उन्हें डिजिटल प्रौद्योगिकी और वित्त के क्षेत्रों में प्रशिक्षण देगा।

इस पर खुशी जताते हुए केआईआईटी और केआईएसएस के संस्थापक, डॉ. अच्युत सामंत ने कहा, 'हमें सीएमई समूह के साथ सहयोग करने और अपने विद्यार्थियों को दिए जाने वाले सीखने के अवसरों का विस्तार करने पर गर्व है।' उन्होंने कहा, 'डिजिटल प्रौद्योगिकी प्रतिभा की बहुत मांग है और सीएमई समूह के साथ यह सहयोग हमारे विद्यार्थियों को जटिल प्रौद्योगिकी चुनौतियों और उद्योग की सर्वोत्तम प्रथाओं को समझने का एक अद्भुत अवसर देगा।'

केआईआईटी-डीयू के प्रो-वाइस चांसलर प्रोफेसर सरनजीत सिंह ने कहा, 'हमारा इंडस्ट्री एंगेजमेंट प्रोग्राम उस दिशा में एक कदम है और हम सीएमई समूह जैसी वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों के साथ सहयोग करने के लिए उत्साहित हैं।' सीएमई समूह के रेफरेंशियल डेटा सर्विसेज के कार्यकारी निदेशक प्रभुराम दुरईस्वामी ने

कहा कि केआईआईटी-डीयू के साथ समझौता भारत में सीएमई समूह के लिए अपनी तरह का पहला समझौता है। हम भारत में विद्यार्थियों को आगे की शिक्षा और इंटर्नशिप के अवसर मुहैया कराने के लिए केआईआईटी-डीयू के साथ सहयोग करने के लिए उत्साहित हैं। यह एमओयू विद्यार्थियों को उद्योग-उन्मुख अनुभव देगा, जिससे उन्हें वरिष्ठ प्रौद्योगिकी नेताओं के साथ उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यावहारिक और बड़ी परियोजनाओं पर काम करने और उनके पेशेवर अनुभव से सीखने में सक्षम बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री गहलोत से मिले कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने बृहस्पतिवार को यहां मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात की। मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता ने मुख्यमंत्री निवास में हुई इस मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया। इस अवसर पर विधायक एन.ए. हारिस भी मौजूद थे। बयान के अनुसार डी.के. शिवकुमार ने राजस्थान सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और चहुंमुखी विकास के लिए सराहना की।

उन्होंने कहा कि महंगाई राहत शिविर, स्वास्थ्य का अधिकार, 'गिग' कर्मचारी कानून, मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, 500 रुपये में गैस सिलेंडर, अन्नपूर्णा फूड पैकेट सहित विभिन्न योजनाओं की चर्चा पूरे देश में है।

उन्होंने कोटा शहर के नवनिर्मित चंबल रिवर फ्रंट और ऑक्सीजोन सिटी पार्क के लिए भी राज्य सरकार की तारीफ की। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री बी.डी. कल्ला, खान एवं पेट्रोलियम मंत्री प्रमोद जैन भाया, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ताप सिंह खाचरियावास सहित कई मंत्री उपस्थित थे।

विद्यालय में सांप्रदायिक एवं देश विरोधी हरकतों पर शिक्षक निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्तौड़गढ़। राजस्थान में चित्तौड़गढ़ जिले के बेंगू उपखंड क्षेत्र के महात्मा गांधी राजकीय माध्यमिक विद्यालय के एक शिक्षक को साम्प्रदायिक एवं देश विरोधी हरकतों पर विरोध प्रदर्शन के बाद एपीओ कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार क्षेत्र के ग्राम नदबई स्थित इस विद्यालय के शिक्षक कार्यवाहक प्राचार्य इब्राहिम कुरेशी ने बुधवार को प्रार्थना के बाद भारत माता की जय एवं वन्दे मातरम का नारा लगाने पर छात्र हरीश धाकड़ की पिटाई कर दी और बाद में उसे रेस्टीकेट कर निकाल दिया। छात्र ने घर व गांव में यह बताया तो लोग विद्यालय पहुंचे जहां कुरेशी ने रेस्टीकेशन निरस्त करने की बात कही लेकिन आज सुबह जब छात्र स्कूल गया तो प्रवेश नहीं करने दिया जिसके बाद ग्रामीणों ने हिंदू संगठनों को सूचना दी और बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो प्रदर्शन करने लगे। सूचना पर उपखंड अधिकारी और ब्लाक शिक्षा अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और घटना क्रम की जानकारी ली और ग्रामीणों से समझाइश की। ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी को दिये ज्ञापन में कहा कि उक्त शिक्षक लम्बे समय से छात्रों में साम्प्रदायिक बातें फैलाने के साथ देशविरोधी बातें भी करता रहता है जिसकी पहले भी शिकायतें की गई लेकिन कुछ नहीं हुआ।

वायुसेना का 'एयर शो' जयपुर में आज

जयपुर। भारतीय वायु सेना का तीन दिवसीय 'एयर शो' 15 से 17 सितंबर तक जयपुर में आयोजित किया जाएगा। रक्षा प्रवक्ता ने एक बयान में बताया कि एयर शो में विश्व प्रसिद्ध वायुसेना की सूर्य किरण एरोबेटिक टीम शामिल होगी, जो दोपहर तीन बजकर 30 मिनट से शाम चार बजकर 30 मिनट तक जल महल के ऊपर अपने कौशल और क्षमताओं का प्रदर्शन करेगी। उन्होंने बताया कि एयर शो आम जनता के साथ-साथ स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों, एनसीसी कैडेटस, सेवारत और सेवानिवृत्त रक्षाकर्मियों और उनके परिवार देख सकेंगे।

शिक्षा और स्वास्थ्य का व्यवसायीकरण समाज के हित में नहीं : जगदीप धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शिक्षा और स्वास्थ्य का व्यवसायीकरण समाज के हित में नहीं बताते हुए कहा है कि देश में तैयार नई शिक्षा नीति से स्थिति में बदलाव आयेगा। धनखड़ गुरुवार को जयपुर जिले के जोबनेर में कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय के ग्यारहवें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत में पहले शिक्षा और स्वास्थ्य को व्यवसाय नहीं माना जाता था लेकिन अब स्थिति बदल गयी है। उन्होंने जोर दिया कि शिक्षा और स्वास्थ्य का व्यवसायीकरण कभी समाज के हित में नहीं हो सकता। उन्होंने नई शिक्षा नीति का जिक्र करते हुए कहा कि व्यापक मंथन के बाद तैयार की गयी इस नीति से स्थिति में बदलाव आयेगा।

भारत के विकास में कृषि के महत्व को रेखांकित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि देश मे बड़ा बदलाव किसान की तरफ से ही आएगा। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि कृषि के अंदर अनुसंधान की जितनी आवश्यकता है उतनी किसी और क्षेत्र में नहीं।उन्होंने कहा कि युवा भारत को वर्ष 2047 तक नंबर वन देश बनाएंगे।

उन्होंने कहा आज भारत का डंका पूरे विश्व मे बज रहा है। एक समय था कि हमारे पास मुश्किल से पंद्रह दिन के आयात लायक विदेशी मुद्रा बची थी और सोने की चिड़िया कहे जाने वाले इस देश का सोना जहाज के द्वारा विदेश भेजना पड़ा था। लेकिन आज हमारा विदेशी मुद्रा भंडार 600 बिलियन डॉलर से ऊपर है। दस वर्ष पूर्व हमें विश्व की पांच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता था और आज हम विश्व की पांच सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक हैं। धनखड़ ने देश मे पारदर्शिता बढ़ाने के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि पहले जो सरकारी राहत मिलती थी उसे बिचौलिए चाट जाते थे, बिचौलियों के बीमा काम नहीं होता था लेकिन आज वे बिचौलिए कहाँ गए। सत्ता के सभी केंद्र इन भ्रष्ट तत्वों से मुक्त कर दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि भारत की तरक्की देखकर कुछ लोगों का हाजमा खराब हो जाता है और वे देश के बारे में उल्टी सीधी बातें करने लगते हैं। उन्होंने कहा कि आज 11 करोड़ किसानों को साल में तीन बार धनराशि भेजी जाती है और खुशी इस बात की है कि लेने वाला भी तकनीकी रूप से पूरी तरह सक्षम है। राष्ट्र निर्माण में किसानों के योगदान की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि किसान ने सब कुछ सहकर भी भारत की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की है। उन्होंने इस कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना में 11 सौ बीघा जमीन दान देकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले रावल नरेन्द्र सिंह की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका यह कार्य भारतीय संस्कृति के मूल सिद्धांतों के अनुरूप था, वे हमारे लिए एक आदर्श हैं, हम सब उनके ऋणी हैं। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने विश्विद्यालय में आयोजित कृषि प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया और विश्वविद्यालय की नयी वेबसाइट को लांच किया। इस अवसर धनखड़ की पत्नी डॉ सुदेश धनखड़, राजस्थान के कृषि मंत्री लालचंद कटारिया, सांसद कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ विश्वविद्यालय के उपकुलपति बलराज सिंह , शिक्षक, छात्र एवं अन्य लोग मौजूद थे।

बांध सुरक्षा में प्रभावी भूमिका का निर्वहन करेगा भारत : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का चौतरफा विकास हो रहा है। आज भारत अतंरिक्ष समेत हर क्षेत्र में अपनी प्रगति से दुनिया का ध्यान आकर्षित कर रहा है। भारत बांधों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। बांध सुरक्षा अधिनियम 2021 इस दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है। इससे भारत बांध सुरक्षा में प्रभावी भूमिका का निर्वाहन करेगा। उक्त बातें केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने गुरुवार को जयपुर में बांध सुरक्षा पर केंद्रित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में कही।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हजारों वर्षों से मानव सभ्यता के विकास में बांधों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। बांध न केवल पीने के पानी, सिंचाई, जलविद्युत आदि की बढ़ती मांगों को पूरा करने में योगदान दे रहे हैं, बल्कि विनाशकारी बाढ़ के प्रबंधन में भी उपयोगी भूमिका निभाते हैं। भारत में बांध निर्माण का गौरवशाली इतिहास रहा है। भारत में करीब दो हजार वर्ष पहले चोल वंश के राजा करिकलन ने कल्लनई (ग्रेंड एनीकट) के रूप में कावेरी नदी पर पहला बांध बनवाया था। यह बांध आज भी काम कर रहा है और दस लाख एकड़ भूमि की सिंचाई में मदद कर रहा है। उन्होंने कहा कि, बांधों की संख्या के मामले में 6000 से अधिक बांधों के साथ भारत का दुनिया में तीसरा स्थान है। इन बडे बांधों में से लगभग 80% बांध 25 वर्ष से अधिक पुराने हैं और 234 बांध तो शताब्दी पार कर चुके हैं। इसलिए उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना अनिवार्य है।

केंद्रीय मंत्री ने भारत में बांध टूटने की घटनाओं का वर्णन करते हुए कहा कि 1979 में माचू बांध टूटने के कारण मोरबी शहर को विस्थापित करना पडा था। उस समय विशेषज्ञों ने अपनी रिपोर्ट में बांधों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई सुझाव दिए थे। दुर्भाग्य है कि उन सुझावों पर पूर्व में अमल नहीं किया गया। पीएम नरेंद्र मोदी ने इस दिशा में ठोस कदम उठाया और बांध सुरक्षा अधिनियम लागू किया।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने कहा कि पहले एक वर्ष में महज कुछ सौ बांधों का निरीक्षण होता था। बांध सुरक्षा अधिनियम 2021 लागू होने के बाद यह संख्या बढकर 12000 तक पहुंच गई है। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने बांध सुरक्षा पर राज्य समिति का गठन किया है और राज्य बांध सुरक्षा संगठन की स्थापना भी कर ली है। उन्होंने कहा कि कुछ समय पहले अमेरिका के नॉक्सविले में टेनेसीवैली अथॉरिटी का दौरा किया। उनके द्वारा बांध सुरक्षा के लिए अब तक उठाए गए कदमों की जानकारी प्राप्त हुई। बकौल केंद्रीय मंत्री पीएम के नेतृत्व में भारत ने विगत दस सालों में इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। बांध सुरक्षा के क्षेत्र में विषय विशेषज्ञों का समूह बनाने के मकसद से आईआईटी रुड़की और आईआईएससी बेंगलुरु में बांध सुरक्षा और बांध इंजीनियरिंग पर मास्टर्स कार्यक्रम भी शुरू किया गया है।

मोनू मानेसर को अदालत ने 15 दिन न्यायिक हिरासत में भेजा

जयपुर। राजस्थान पुलिस नासिर-जुनैद हत्याकांड मामले में संदिग्ध मोनू मानेसर को बृहस्पतिवार को एक बार फिर यहां की एक अदालत में पेश किया, जहां अदालत ने उसे 15 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि दो दिन की पुलिस पूछताछ में मोनू मानेसर ने खुलासा किया है कि वह इस मामले में पहले गिरफ्तार आरोपी रिंकू के संपर्क में था और दोनों ने नासिर और जुनैद के अपहरण से पहले और बाद में टेलीफोन पर बातचीत की थी।

अधिकारी ने कहा कि मोनू उक्त अपराध में संलिप्त था लेकिन क्या वह मामले का मास्टरमाइंड है या नहीं यह अब भी जांच का विषय है क्योंकि मामले में कई अन्य लोग वांछित हैं। पुलिस ने बताया कि मामले में चार लोगों - मोनू राणा, रिंकू सैनी, गोगी और मोनू मानेसर को गिरफ्तार किया गया है जबकि 26 अन्य इस मामले में संदिग्ध हैं। गोपालगढ़ के थाना प्रभारी संतोष शर्मा ने बताया कि मोनू को अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उसे 15 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

हरियाणा पुलिस ने मोनू मानेसर को मंगलवार को गिरफ्तार किया था और उसके कब्जे से एक पिस्तौल, तीन कारतूस और एक मोबाइल फोन जब्त किया था।

फडणवीस ने ब्रह्माजी के दर पर प्रदेश में भाजपा सरकार बनाने की अर्जी लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राजस्थान में अजमेर के पुष्कर स्थित जगतपिता ब्रह्माजी के दर पर आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा सरकार बनाने के लिये अर्जी लगाई है। फडणवीस आज परिवर्तन संकल्प यात्रा के सिलसिले में अजमेर जिले में हैं, वे पहले पुष्कर , फिर केकड़ी के सरवाड़ गये और शाम को अजमेर में जनसभा में मुख्यवक्ता होंगे। फडणवीस के साथ प्रदेश अध्यक्ष सी.पी.जोशी तथा सहप्रभारी विजया राहटकर भी थीं। सभी ने संयुक्त रूप से पुष्कर ब्राह्माजी के दर्शन कर पूजा अर्चना की। बाद में मीडिया से संक्षिप्त बातचीत में उन्होंने कहा कि - ब्राह्ममाजी के चरणों में भाजपा सरकार के लिए अर्जी लगाई है। मुझे पूरी उम्मीद है कि इस बार कमल खिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस दर पर आ चुके है।उनके शासन में देश ने चहुंमुखी तरक्की तथा विश्व में नाम रोशन किया है। जनता भारी बहुमत से भाजपा की सरकार बनाने का कार्य करेगी।

प्रदेश अध्यक्ष सी.पी. जोशी मीडिया के सवालों खासकर कैलाश मेघवाल के सवालों पर खामोश रहे और कुछ नहीं बोले। पत्रकारों ने कुरेदा भी लेकिन वे मौन रहे। बाद में सभी ने पवित्र सरोवर की पूजाअर्चना की और फिर केकड़ी के लिए हैलीकॉप्टर से रवाना हो गये। जहां सरवाड़ में अभी दिन में सभा को सम्बोधित करेंगे।

हिंदी साहित्य की चार विभूतियां सम्मानित

चूरू। हिंदी साहित्य संसद की और से गुरुवार को लोक संस्कृति शोध संस्थान नगरश्री, चूरू के सभागार में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदेश के चार ख्यातनाम पत्रकार, साहित्यकार और समाजसेवियों को साहित्य साधना के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार और लेखक बाल मुकुंद ओझा चूरू को जन कवि प्रदीप शर्मा समृति साहित्य सम्मान से, डॉ गोपाल गर्ग अजमेर को रामा देवी भगीरथ प्रसाद साहित्य सम्मान से, हनुमान कोठारी चूरू और राजेंद्र शर्मा अलवर को अमृत उत्सव विशेष सम्मान से सम्मानित किया गया। सम्मानित साहित्यकारों को अतिथियों ने शाल ओढ़ाकर, सम्मान पत्र, नकद राशि, श्री फल, पदक आदि प्रदान कर अलंकृत किया गया। समारोह में वरिष्ठ पत्रकार बाल मुकुंद ओझा ने कहा की जन कवि प्रदीप शर्मा कवि ,लेखक, पत्रकार के साथ जनता के नुमाईंदे भी थे। प्रदीप शर्मा के साथ अपने संस्मरणों को सुनाते हुए ओझा ने कहा उन्होंने पत्रकारिता और लेखन के जरिये उनमें छिपी प्रतिभा को प्रतिभा को तराशकर न केवल उकेरा अपितु इस पथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। ओझा ने बताया प्रदीप शर्मा द्वारा 75 वर्ष पूर्व स्थापित हिंदी साहित्य संसद ने विभिन्न पुरुस्कारों के जरिये देश और प्रदेश के साहित्यकारों को प्रोत्साहित - सम्मानित कर उनका मान सम्मान बढ़ाया है जो आज के समय में एक दुर्लभतम उदहारण है। यह कार्य हिंदी साहित्य में मील का पत्थर है। समारोह में हिंदी साहित्य संसद के अध्यक्ष बनवारी खामोश, सचिव विजय कांत शर्मा ,वरिष्ठ समीक्षक चंद्र प्रकाश ढंढ, समाज सेवी गोपीराम हारित, राजू सिंघी आदि ने अतिथियों का स्वागत किया। समारोह के संयोजक प्रो कमल कोठरी ने सम्मानित विद्वत जनों का परिचय दिया।

हिंदी एक भाषा नहीं, बल्कि देश के सम्मान और संस्कृति की प्रतीक है : बीडी कल्ला

जयपुर/दक्षिण भारत। भाषा एवं पुस्तकालय विभाग की ओर से राज्य स्तरीय हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन गुरुवार को बिड़ला सभागार में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री डॉ. बुलाकीदास कल्ला ने हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हिंदी एक भाषा नहीं, बल्कि देश के सम्मान और संस्कृति की प्रतीक है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय भाषा की विरासत को बचाये रखना और बढ़ाना हर भारतीय की जिम्मेदारी है। हिंदी भाषा सभी भारतीयों को जोड़ने की एक मजबूत कड़ी है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भी हिंदी माध्यम की पुस्तकें होनी चाहिए , इसके लिए उन्होंने सभी विद्यार्थियों और लेखकों से अनुरोध किया वे हिंदी भाषा में हर विषय पर पुस्तकें लिखें।

भाषा एवं पुस्तकालय विभाग राज्यमंत्री राजेन्द्र यादव ने कहा कि आज आधुनिक तकनीकी दौर में हमें एक बार फिर से हिन्दी के प्रचार-प्रसार की आवश्यकता है। उन्होंने हिन्दी के विश्व्यापी प्रसार की बात करते हुए कहा कि विदेशों में आज हिन्दी को अपनाया जा रहा है, जबकि हमारे अपने देश में कुछ लोग अंग्रेजी में संवाद करने में गर्व महसूस करते हैं। हमें यह मानसिकता बदलनी होगी। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि, शासन सचिव स्कूल शिक्षा, भाषा एवं पुस्तकालय विभाग नवीन जैन ने कहा कि आज विश्व में हिन्दी बोलने वालों की संख्या 60 करोड़ से भी अधिक है इसलिए भाषा एवं पुस्तकालय विभाग को महत्पूर्ण पुस्तकों का हिंदी अनुवाद उपलब्ध कराना चाहिए।

केंद्र नहीं माना तो राज्य करेगा कोटा में एयरपोर्ट का विकास : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार कोटा में प्रस्तावित ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट के निर्माण कार्य शुरु करने के लिए अपने हिस्से का काम कर चुकी है। केंद्र सरकार को एयरपोर्ट बनाने के लिए निशुल्क जमीन दे चुकी है लेकिन केंद्र सरकार नई-नई शर्तें लगाकर एयरपोर्ट के निर्माण में बाधा बन रहा है। यदि केंद्र नहीं माना तो राज्य सरकार अपने स्तर पर एयरपोर्ट का विकास करवाएंगा।

मुख्यमंत्री गहलोत ने जयपुर लौटने से पहले शंभूपुरा गांव में नागरिक उड्डयन मंत्रालय को एयरपोर्ट के निर्माण के लिए दी गई जमीन का अधिकारियों के साथ अवलोकन किया। इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। हमने मंत्रिमंडल में निर्णय लेकर कोटा नगर विकास न्यास से एयरपोर्ट अथॉरिटी को निःशुल्क 34 हैक्टेयर भूमि हस्तांतरित कराई। साथ ही डायवर्जन राशि की प्रथम किश्त 21 करोड़ 13 लाख रुपए भी वन विभाग को दिए गए।

रेल अधिकारी यात्रियों को अतिथि मानकर सर्वोत्तम सेवाएं मुहैया करायें: मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को कहा कि रेलवे न केवल देश की अर्थव्यवस्था की बल्कि इसकी एकता और सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता की भी रीढ़ है।

मुर्मू ने रेलवे के अधिकारियों से यात्रियों के साथ अतिथियों जैसा व्यवहार करने और सर्वोत्तम सेवाएं प्रदान करने के लिए कहा। विभिन्न भारतीय रेलवे सेवाओं (2018-बैच) के 255 परिवीक्षाधीन अधिकारियों के एक समूह को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि रेलवे राष्ट्र की जीवन रेखा है। इन परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने यहां राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात की। मुर्मू ने कहा, ''प्रतिदिन लाखों यात्री ट्रेनों के माध्यम से अपने गंतव्य तक पहुंचते हैं। यह लाखों लोगों का नियोक्ता होने के अलावा लाखों लोगों के सपनों और आकांक्षाओं का वाहक भी है।'' राष्ट्रपति ने कहा कि साथ ही, रेलवे न केवल भारतीय अर्थव्यवस्था की बल्कि भारत की एकता और सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता की भी रीढ़ है। उन्होंने परिवीक्षाधीन अधिकारियों से कहा, ''यह आप जैसे युवा अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि रेलवे पारिस्थितिकी तंत्र की समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाएं और प्रयास करें कि भारतीय रेलवे दुनिया में सर्वोत्तम गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदान करे।'' मुर्मू ने कहा कि ट्रेनों में यात्रा करने वाले लोग यात्रा की यादें अपने साथ लेकर जाते हैं। राष्ट्रपति ने कहा, ''मैं आप सभी से आग्रह करती हूं कि आप ग्राहकों, विशेषकर यात्रियों के साथ अपने अतिथि की तरह व्यवहार करें और उन्हें सर्वोत्तम सेवा और सर्वोत्तम अनुभव प्रदान करें, जिसे वे संजो सकें। आपको वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगों के लिए सुविधाएं बढ़ाने की दिशा में काम करना चाहिए।'' उन्होंने यात्रियों की हर तरह से सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता को भी रेखांकित किया। मुर्मू ने कहा, ''उन्नत तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता-आधारित ऐप्लीकेशन के साथ, रेल सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कुशल और त्रुटिरहित प्रणाली विकसित की जानी चाहिए।''

'केंद्र से पत्नी के पैसे लेने का सबूत देने पर कोई भी सजा स्वीकार करने के लिए तैयार हूं'

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार से उनकी पत्नी के पैसे लेने का कोई सबूत देने पर वह कोई भी सजा स्वीकार करने के लिए तैयार हैं जिसमें सार्वजनिक जीवन से संन्यास लेना भी शामिल है।

मुख्यमंत्री ने लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई की एक पोस्ट के जवाब में 'एक्स' पर पोस्ट किया , ''मैं फिर इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि ना तो मेरी पत्नी और ना ही कंपनी (जिससे वह जुड़ी हैं) ने भारत सरकार से कोई राशि प्राप्त की है या इसका दावा किया है। अगर कोई व्यक्ति सबूत दे सके तो मैं सार्वजनिक जीवन से सेवानिवृत्ति सहित कोई भी सजा स्वीकार करने को तैयार हूं।'' केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के जवाब को कांग्रेस नेता द्वारा एक्स पर पोस्ट किये जाने के बाद बुधवार से ही गोगोई और शर्मा के बीच जुबानी जंग छिड़ी हुई है। गोयल ने लोकसभा में 22 मार्च, 2023 को असम के भाजपा सांसद पल्लब लोचन दास द्वारा पूछे गये एक सवाल का जवाब दिया था। गोगोई ने कहा, ''क्या माननीय मुख्यमंत्री केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से शिकायत कर रहे हैं? वह कह रहे हैं कि गोयल ने केवल शर्मा की पत्नी को अनुदान की मंजूरी दी, लेकिन राशि जारी नहीं की। भाजपा के कितने और राजनेताओं ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना का इस्तेमाल अपने परिवारों को संपन्न बनाने में किया?''

अनंतनाग में मुठभेड़ के बाद जम्मू में पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में एक दिन पहले आतंकवादियों के साथ मुठेभड़ में तीन सुरक्षाकर्मियों के शहीद होने के बाद बृहस्पतिवार को जम्मू शहर में विभिन्न स्थानों पर पाकिस्तान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किये गए। पनुन कश्मीर और एक सनातम भारत दल (ईएसबीडी) ने शहीद सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि दी और जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाने की मांग की।

बुधवार को अनंतनाग जिले के कोकेरनाग इलाके में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में भारतीय सेना की राष्ट्रीय राइफल्स के एक कर्नल, सेना के एक मेजर और एक पुलिस उपाधीक्षक शहीद हो गए थे।

माना जा रहा है कि 19 राष्ट्रीय राइफल्स के कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष धोनैक और जम्मू कश्मीर पुलिस के डीएसपी मुहम्मद हुमायूं मुजम्मिल भट को लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों ने मार डाला।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जम्मू कश्मीर इकाई के अध्यक्ष अरुण प्रभात के नेतृत्व में सैंकड़ों कार्यकर्ताओं ने पक्का डांगा में विरोध प्रदर्शन किया और जम्मू कश्मीर में आतंकवाद को समर्थन व बढ़ावा देने के लिए पाकिस्तान की आलोचना की। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पाकिस्तानी झंडे और पोस्टर जलाए।

प्रभात ने यहां पत्रकारों से कहा, ''जी20 शिखर सम्मेलन की सफलता के बाद पाकिस्तान भारत की लोकप्रियता से बौखला गया है। यही कारण है कि वे जम्मू कश्मीर में शांति भंग करने की कोशिश कर रहे हैं। वे क्षेत्र में दिक्कतें उत्पन्न करना चाहते हैं।'' डोगरा फ्रंट शिव सेना (डीएफएसएस) के कार्यकर्ताओं ने जम्मू में विरोध मार्च निकाला और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचे पर नए सिरे से हमले की मांग की। उन्होंने पाकिस्तान के विरोध में नारेबाजी की और पाकिस्तानी झंडे जलाये। युवा राजपूत सभा ने भी आक्रोश व्यक्त करने के लिए जम्मू में एक विरोध रैली निकाली।

कुलपतियों की नियुक्ति का अधिकार राज्यपाल के पास है: केंद्रीय शिक्षा मंत्री

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति पर बढ़ते विवाद के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बृहस्पतिवार को राज्यपाल सी वी आनंद बोस के समर्थन में आते हुए कहा कि उनके पास राज्य के कुलपतियों की नियुक्ति का अधिकार है। प्रधान ने कहा कि राज्य सरकार को अपनी भूमिका पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यादवपुर विश्वविद्यालय परिसर में रैगिंग जैसी घटनाएं दोबारा न हों। उन्होंने कहा, ''अन्य राज्यों में राज्यपाल राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति करते हैं। पश्चिम बंगाल में राज्यपाल अपने अधिकार का इस्तेमाल कर कुलपतियों की नियुक्ति कर रहे हैं। राज्यपाल पर निशाना साधने के बजाय राज्य सरकार को परिसर को सुरक्षित बनाने और यह सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए कि यादवपुर विश्वविद्यालय में छात्र की मौत जैसी घटना दोबारा ना हो।'' केंद्रीय मंत्री यहां भाजपा की संगठनात्मक बैठक से इतर संवाददाताओं से बात कर रहे थे। प्रधान की यह टिप्पणी आठ राज्य विश्वविद्यालयों में कार्यवाहक कुलपतियों की नियुक्ति और आठ अन्य के नाम सामने आने के फैसले को लेकर राज्य सरकार और राजभवन के बीच टकराव के मद्देनजर आई है।

प्रयागराज में ओबीसी महाकुम्भ का आयोजन करेगी भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। अगले वर्ष लोकसभा चुनाव से पूर्व भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आगामी नवंबर माह में संगम नगरी में एक ओबीसी महाकुम्भ का आयोजन करेगी जिसमें सत्तारूढ़ दल द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समाज के लिए किए गए कार्यों को रेखांकित किया जाएगा।

भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रतापगढ़ से सांसद संगम लाल गुप्ता ने यहां सर्किट हाउस में संवाददाताओं को बताया कि आगामी नवंबर महीने में प्रयागराज में एक ओबीसी महाकुम्भ का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन के संबंध में आज काशी क्षेत्र के ओबीसी मार्चा के पदाधिकारियों की बैठक बुलाई गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर भाजपा सेवा पखवाड़ा का कार्यक्रम चलाती है। इस बार प्रधानमंत्री ओबीसी समाज के लिए विश्वकर्मा कौशल सम्मान का शुभारंभ करने जा रहे हैं। इसमें 18 कामगार जातियों जैसे कुम्हार, बढ़ई, सुनार, हलवाई को इसमें विशेष लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस योजना में ओबीसी समाज की 140 जातियों को समाहित किया गया है और 13,000 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है। इस योजना के प्रथम चरण में 30 लाख लोगों को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि इन जातियों के जो लोग छोटे-छोटे उद्योग लगाना चाहते हैं, उन्हें दो लाख रुपये से लेकर 15 लाख रुपये तक का ऋण बहुत कम ब्याज दर पर उपलब्ध कराया जाएगा। इससे ओबीसी समाज का बड़ा उत्थान होगा।

गुप्ता ने कहा कि ओबीसी को जो सम्मान भाजपा ने दिया वह किसी पार्टी ने नहीं दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 60 वर्षों तक इस देश पर राज किया और उसने सिर्फ गरीबी हटाओ का नारा दिया, लेकिन गरीबी तो हटी नहीं, खुद कांग्रेसी धनवान हो गए। उन्होंने कहा, जब से हमारी सरकार आई है, मोदी के नेतृत्व में सरकार हर वर्ग के उत्थान के लिए काम कर रही है। चाहे ओबीसी आयोग हो, चाहे नीट की परीक्षा में ओबीसी के लिए आरक्षण हो, चाहे सैनिक स्कूल में आरक्षण हो, ओबीसी के लिए कई बड़ी योजनाएं सरकार ने शुरू की है।

'सरकारी आयोजनों का इस्तेमाल विपक्ष को अपमानित करने के लिए करते हैं प्रधानमंत्री'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली /भाषा। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विपक्षी गठबंधन ' इंडिया ' पर ' घमंडिया ' कहकर निशाना साधे जाने के बाद बृहस्पतिवार को उन पर पलटवार किया और आरोप लगाया कि वह सरकारी आयोजनों का इस्तेमाल विपक्ष को अपमानित करने के लिए कर रहे हैं।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ' एक्स ' पर पोस्ट किया , '' प्रधानमंत्री बीना में एक सरकारी कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। लेकिन इस अवसर पर उन्होंने जिस भाषा का इस्तेमाल किया वह प्रधानमंत्री पद की गरिमा के अनुरूप बिल्कुल भी नहीं थी। उनका भाषण राजनीतिक विद्वेष से भरा हुआ था। उन्होंने ' इंडिया ' गठबंधन को लेकर कई तरह की हल्की बातें कही। '' रमेश के अनुसार , '' प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि उनकी सरकार से पहले बुंदेलखंड में कोई विकास कार्य नहीं हुआ । मैं उन्हें याद दिलाना चाहता हूं कि राहुल गांधी की पहल पर तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए 7200 करोड रुपए का बुंदेलखंड पैकेज दिया था। '' उन्होंने दावा किया , '' जिस बीना रिफाइनरी से जुड़े कार्यक्रम में वह भाषण दे रहे थे उसका भूमि पूजन 1994 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव के समय हुआ था और उसका उद्घाटन मई 2011 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने किया था। मैं फिर से दोहरा रहा हूं प्रधानमंत्री ग़लती से भी सच नहीं बोल सकते।''

मऊ की सदर सीट से विधायक अब्बास अंसारी के खिलाफ मुकदमा रद्द

प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मऊ जिले की सदर सीट से विधायक अब्बास अंसारी, उनके छोटे भाई उमर अंसारी और चाचा मंसूर अंसारी के खिलाफ कोतवाली मऊ में दर्ज एक मामले में मुकदमे की कार्यवाही और दाखिल आरोप पत्र रद्द कर दिया है। अब्बास अंसारी के खिलाफ आरोप था कि उन्होंने मऊ जिले की सदर विधानसभा सीट से निर्वाचन के बाद पुलिस की अनुमति के बगैर जुलूस निकाला और लोगों का आवागमन बाधित किया। इसके अलावा, चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन किया। अब्बास अंसारी, पूर्व विधायक और बाहुबली नेता मुख्तार अंसारी का बेटा है। न्यायमूर्ति राजबीर सिंह ने मंगलवार को अब्बास अंसारी और दो अन्य की याचिका पर सुनवाई के बाद कहा, प्राथमिकी में लगाए गए आरोपों और जांच के दौरान एकत्र किये गये साक्ष्यों पर गौर करने पर प्रथम दृष्टया कोई मामला नहीं बनता। अभियोजन का मामला स्वीकार भी कर लें तो ऐसा कोई अपराध नहीं बनता जिसमें याचिकाकर्ता को दोषी करार दिया जा सके। सुनवाई के दौरान, याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि प्रथम दृष्टया कोई मामला नहीं बनता और केवल झूठा आरोप लगाया गया है। अब्बास अंसारी की जीत के जुलूस के दौरान सड़क पर जाम लग गया और लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा था।

चुनाव आयोग ने ओडिशा से 3.45 लाख मृतकों के नाम मतदाता सूची से हटाने को कहा

भुवनेश्वर/भाषा। निर्वाचन आयोग (ईसी) ने ओडिशा के जिलाधिकारियों को मतदाता सूची के विशेष सारांश पुनरीक्षण पर ध्यान केंद्रित करने को कहा और 3.45 लाख मृत लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। चुनाव आयोग के दल की बैठक में यह निर्देश जारी किए गए। बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी निकुंज बिहारी ढल, सभी 30 जिलाधिकारी, राजस्व मंडल आयुक्त (आरडीसी) और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक में कहा कि ''करीब 3.45 लाख मृत लोगों के नाम मतदाता सूची में पाए गए हैं।'' चुनाव आयोग की टीम ने जिलाधिकारियों से सूची को दोषरहित बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा है। अधिकारी के मुताबिक, जिलाधिकारियों को मतदाता सूची में सुधार के लिए विभिन्न ऐप का उपयोग कर लोगों को जागरुक बनाने को भी कहा गया है।

मीराबाई चानू पर स्नैच में 90 किग्रा वजन उठाने का दबाव बढ़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तोक्यो ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू वर्षों से महिलाओं के 49 किग्रा वर्ग में प्रबल दावेदार रही हैं लेकिन स्नैच में 90 किग्रा का वजन उठाने वाले भारोत्तोलकों की बढ़ती तादाद बढ़ती जा रही है जिससे मणिपुर की इस खिलाड़ी पर इस वजन तक पहुंचने का दबाव बढ़ता जा रहा है। सात भारोत्तोलक स्नैच वर्ग में 90 किग्रा या इससे ज्यादा का वजन उठा चुकी हैं जिसमें से पांच इस मौजूदा ओलंपिक चक्र में ही शामिल हैं।

मीराबाई 2019 से ही स्नैच में इस वजन को उठाने के लिए काम कर रही हैं लेकिन पिछले चार वर्षों में दो प्रयासों में वह विफल रही हैं। पहला प्रयास उन्होंने फरवरी 2020 में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में और फिर पिछले साल बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में किया। भारत के मुख्य कोच विजय शर्मा ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''हम एशियाई खेलों में स्नैच में 90 किग्रा का वजन उठाने का लक्ष्य बनाये हैं। हम काफी समय से इस लाइन को पार करने की कोशिश कर रहे हैं। ''

क्लीन एवं जर्क में मीराबाई अपने प्रतिद्वंद्वियों के बराबर हैं, हालांकि इस वर्ग में उनका 119 किग्रा का विश्व रिकॉर्ड इस महीने विश्व चैम्पियनशिप में हुईहुआ ने 120 किग्रा का भार उठाकर तोड़ दिया। लेकिन स्नैच में प्रदर्शन से उनका कुल वजन कम होता गया।

पूर्व विश्व चैम्पियन ने इस साल एशियाई खेलों को प्राथमिकता दी हुई है क्योंकि उनकी ट्राफियों की कैबिनेट में सिर्फ इसी पदक की कमी है।

एशियाड में भारोत्तोलन के 'पावरहाउस' जैसे चीन और थाईलैंड भी हिस्सा ले रहे हैं जिससे मीराबाई को हांगझोउ में पोडियम स्थान हासिल करने के लिए अपने खेल में सुधार करना होगा।

संदेह होने पर मदद के लिए श्रीजेश के पास जाता हूं: कृष्ण पाठक

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक का मानना है कि अनुभवी पीआर श्रीजेश की मानसिकता को पढ़ने से उनके गोलकीपिंग कौशल में सुधार हुआ है और वह जब भी 'संदेह' में होते है तब अपने इस अनुभवी सहयोगी से मार्गदर्शन लेने में संकोच नहीं करते है। पाठक और श्रीजेश के बीच काफी अच्छा तालमेल है और यह जोड़ी पिछले कुछ समय से भारतीय टीम के गोलकीपिंग की कमान संभाल रही है। इसमें जकार्ता में पिछला एशियाई खेल और तोक्यो ओलंपिक भी शामिल है जहां टीम ने ऐतिहासिक कांस्य पदक जीता था।

पाठक ने कहा, ''हमारे (मेरे और श्रीजेश) बीच बहुत अच्छा संबंध हैं। वह टीम के अनुभवी खिलाड़ियों में से एक हैं और जब भी मुझे कोई संदेह होता है तो मैं उनसे मदद मांगता हूं ।'' देश के लिए 103 मैच खेल चुके पाठक ने कहा, '' वह पिछले दो दशक से टीम के साथ है और उनका अनुभव मेरे लिए काफी मददगार है।'' पाठक आगामी एशियाई खेलों में टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह उनका लगातार दूसरा एशियाई खेल है।

करीब 30 बच्चों को ले जा रही नाव बागमती नदी में डूबी, 20 को बचाया गया

मुजफ्फरपुर/भाषा। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में बृहस्पतिवार को करीब 30 बच्चों को ले जा रही एक नाव बागमती नदी में डूब गई । हादसे में अब तक 20 बच्चों को बचाया लिया गया है और अन्य की खोजबीन जारी है। हादसा जिले के बेनीबाद पुलिस चौकी क्षेत्र के भटगामा के मधुरपट्टी घाट के समीप हुआ। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि जिलाधिकारी को निर्देश दिया है और वह मामले को देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो भी इस घटना के पीड़ित हैं, उनके परिवारों की मदद की जाएगी। नीतीश कुमार कुछ परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए इस समय मुजफ्फरपुर में हैं । हादसा स्थल पर पहुंची स्थानीय पुलिस और एसडीएफआर की टीमें मौके पर बचाव कार्य में जुटी है।

असम में बाल विवाह कराने के आरोप में 15 गिरफ्तार

हैलाकांडी/भाषा। असम के हैलाकांडी जिले में फर्जी दस्तावेज तैयार कर बाल विवाह कराने के आरोप में 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक पंजीकृत काजी की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए जिले के विभिन्न हिस्सों में एक अभियान शुरू किया गया। इस अभियान में 16 लोग पकड़े गए जो काजी बनकर बाल विवाह कराने में शामिल थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक समीर दत्तरी बरुआ ने बताया कि शुरुआत में 16 लोगों को हिरासत में लिया गया था लेकिन एक व्यक्ति को सबूत के अभाव में छोड़ दिया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोग फर्जी दस्तावेज बनाकर बाल विवाह करा रहे थे। बरुआ ने कहा कि ये गिरफ्तारियां जिले के हैलाकांडी शहर, पंचग्राम, कटलीचेरा, अल्गापुर, लाला, रामनाथपुर और बिलाईपुर इलाकों से की गई हैं।

फीफा और एआईएफएफ का सहयोग, ठोस इच्छा भारत में फुटबॉल अकादमी स्थगित करने के लिए अहम: वेंगर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिग्गज फुटबॉल कोच आर्सीन वेंगर का मानना है कि फुटबॉल की वैश्विक संचालन संस्था फीफा और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के बीच 'सहयोग' और 'ठोस इच्छा' भारत में केंद्रीय अकादमी की सफलता के लिए महत्वपूर्ण होगी जिसके लिए वह अगले महीने देश के दौरे पर आएंगे।

अकादमी स्थापित करने की प्रक्रिया को अंतिम रूप देने के लिए पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया में एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे और महासचिव शाजी प्रभाकरण से मिलने वाले वेंगर ने कहा कि बैठक के बाद वह 'काफी आशावान' हैं।

एआईएफएफ की विज्ञप्ति में वेंगर के हवाले से कहा गया, ''मैं कहूंगा कि फुटबॉल दुनिया का सबसे लोकप्रिय खेल है और यह तार्किक है कि दुनिया के सबसे बड़े देशों में से एक को फुटबॉल विकास का मौका मिले।'' उन्होंने कहा, ''संख्या फायदे की स्थिति है लेकिन संगठन का काम मुश्किल हो जाएगा। एक अरब 40 करोड़ लोग, मैं कहूंगा कि यह सोने की खान है लेकिन ऐसी सोने की खान,

इस समय जिसका हमने आकलन नहीं किया है या पहचाना नहीं है।''

इस कोच ने कहा, ''इसलिए हमें देश के भीतर ऐसे लोगों की जरूरत है जिन्हें पता हो कि प्रतिभा कहां है। यही कारण है कि फीफा और एआईएफएफ के बीच सहयोग बेहद महत्वपूर्व है, साथ ही ठोस इच्छा।''

वेंगर ने उम्मीद जताई की एआईएफएफ के साथ उनकी बातचीत सफलता में बदलेगी। उन्होंने कहा, ''हमारी बातचीत के अनुसार, एआईएफएफ ऐसा करने में हमारी मदद के लिए एकाग्र और प्रेरित है। मुझे लगता है कि हम एक साथ शानदार काम करेंगे।'' इस 73 वर्षीय कोच ने कहा कि भारत देश में फुटबॉल की प्रगति सुनिश्चित करने के लिए जापान के उदाहरण का अनुसरण कर सकता है। उन्होंने कहा, ''मैं 1995 में जापान गया था। उन्होंने 1993 में पेशेवर लीग शुरू की थी। लेकिन उन्होंने बहुत पहले ही समझ लिया था कि आपको युवा खिलाड़ियों के लिए अकादमियां खोलने और शिक्षा की जरूरत है और उन्होंने उस कार्यक्रम को बहुत अच्छे से आगे बढ़ाया।'' वेंगर ने कहा, ''अब उन्हें देखें, लड़कों के साथ-साथ लड़कियां भी। जापान विश्व कर शीर्ष रैंकिंग वाली टीमों में से एक है। वे अनुसरण करने के लिए एक अच्छा उदाहरण हैं। उन्होंने बहुत जल्दी समझ लिया कि शिक्षा ही कुंजी है।

वेंगर ने कहा कि प्रतिभा की पहचान करने के अलावा एआईएफएफ को शिक्षा की जिम्मेदारी भी संभालनी होगी।

'क्लब बनाम देश' के सवाल पर सुनील छेत्री ने राष्ट्रीय टीम को प्राथमिकता दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। हांगझोउ एशियाई खेलों को लेकर 'क्लब बनाम देश' के मुश्किल सवाल पर भारतीय फुटबॉल 'लूजर' साबित हुई लेकिन देश के महान फुटबॉलर सुनील छेत्री ने इन सभी से ऊपर उठकर राष्ट्रीय दायित्व को प्राथमिकता दी। करिश्माई स्ट्राइकर छेत्री ने अपने 18 साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर में कई राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाये हैं। कई इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) क्लबों ने एशियाड के लिए अपने खिलाड़ियों को 'रिलीज' करने से इनकार कर दिया था लेकिन 39 वर्षीय छेत्री ने राष्ट्रीय टीम की अगुआई करने का फैसला किया। पिछले महीने एशियाई खेलों के लिए 22 सदस्यीय टीम की घोषणा की गयी थी लेकिन इसमें से 13 खिलाड़ियों को उनके संबंधित आईएसएल क्लबों ने रिलीज ही नहीं किया जिसमें डिफेंडर संदेश झिंगन और नंबर एक गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू भी शामिल हैं। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने काफी मुश्किलों के बाद दोयम दर्जे की 18 सदस्यीय टीम चुनी जिसमें छेत्री एकमात्र जाना माना चेहरा हैं। एआईएफएफ के एक अधिकारी ने पीटीआई भाषा से कहा, ''वह (छेत्री) इतना प्रतिष्ठित खिलाड़ी है और यह तो पूरी मजबूत टीम भी नहीं है। लेकिन वह अडिग रहा और कहा कि वह देश के लिए एशियाई खेलों में खेलना चाहता है और वह इनके लिए तैयार है। उसे सलाम। '' उन्होंने कहा, ''हम जानते थे कि वह इन सभी मुद्दों से ऊपर उठकर राष्ट्र को प्राथमिकता देगा और उसने ऐसा ही किया। ''

सुविचार

मैदान में हारा हुआ इंसान फिर भी जीत सकता है, लेकिन मन से हारा हुआ इंसान कभी नहीं जीत सकता।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गैर-जरूरी बयान

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क द्वारा भारत में अल्पसंख्यकों के अधिकारों के संबंध में दिया गया बयान ग़ैर-ज़रूरी है। संभवत: वोल्कर को भारत में अल्पसंख्यकों के अधिकारों और कानूनी स्थिति की जानकारी नहीं है। इसीलिए वे यह कह रहे हैं कि 'भारत में सभी अल्पसंख्यकों के अधिकारों को बनाए रखने के प्रयासों को दोगुना करने की स्पष्ट आवश्यकता है।' हमारे देश में अल्पसंख्यकों के पास बराबर अधिकार हैं। उन्हें प्रगति करने के बराबर अवसर मिलते हैं। उन्होंने अपनी प्रतिभा और परिश्रम से देश को गौरवान्वित किया है। राजनीति, प्रशासन, उद्योग, सेना, फिल्म, खेलकूद ... हर क्षेत्र में अल्पसंख्यक समुदायों के लोग शिखर पर पहुंचे हैं, खूब चमके हैं और उन्हें देशवासियों से बहुत सम्मान मिला है। इनमें सबसे बड़ी मिसाल पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम हैं, जिनके भाषण, कथन, किताबें आज भी युवाओं के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। भारत में न तो कानूनी स्तर पर कहीं कोई भेदभाव है और न सामाजिक स्तर पर। हां, कभी-कभार कोई अप्रिय घटना जरूर हो जाती है, जिसके पीछे शरारती तत्त्व होते हैं, लेकिन ये मुट्ठीभर भी नहीं हैं। जब कभी ऐसी कोई घटना सामने आती है, तो सर्वसमाज अपने उन भाइयों-बहनों के हक के लिए खड़ा होता है। किसी एक अप्रिय घटना के आधार पर सर्वसमाज के बारे में कोई धारणा बनाना उचित नहीं है। सामाजिक समस्याएं कहां नहीं होतीं? अमेरिका, जापान, ब्रिटेन, नॉर्वे, स्विटजरलैंड, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया ... इन देशों को बहुत साधन-संपन्न और शिक्षित माना जाता है, लेकिन यहां भी ऐसी समस्याएं देखने को मिल जाती हैं। असल मुद्दा यह होना चाहिए कि ऐसी किसी समस्या पर उस देश के सर्वसमाज और कानून की स्थिति क्या है? सर्वसमाज पीड़ित के पक्ष में खड़ा होता है या पीड़ा देनेवाले के पक्ष में खड़ा होता है? कानून अल्पसंख्यकों को बराबर अधिकार देता है या कटौती करता है? स्पष्ट है कि भारत में सर्वसमाज उस पीड़ित के पक्ष में खड़ा होता है और कानूनी अधिकारों को लेकर कहीं कोई भेदभाव की स्थिति नहीं है।

फिर ऐसे बयान क्यों दिए जाते हैं? पश्चिमी देशों के धन से पोषित ऐसे कई कथित थिंक टैंक चल रहे हैं, जो गाहे-बगाहे ऐसी रिपोर्टें प्रकाशित करते रहते हैं, जिनमें यह बताने की कोशिश की जाती है कि भारत में 'भेदभाव' जोरों पर है। अपने एसी युक्त कक्ष में बैठकर मनगढ़ंत बातें छापने वाले ये थिंक टैंक भारत को पश्चिमी चश्मे से ही देखते हैं। उनके चश्मे पर उस समय धूल जम जाती है, जब ये पाकिस्तान और चीन की ओर देखते हैं। ये दोनों देश अल्पसंख्यकों से भेदभाव के शर्मनाक उदाहरण बन चुके हैं। पाक में कोई हिंदू, सिक्ख, ईसाई, बौद्ध, पारसी ... अल्पसंख्यक समुदाय से आने वाला व्यक्ति प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, सेना प्रमुख और आईएसआई प्रमुख नहीं बन सकता। वहीं, चीन ने शिंजियांग प्रांत में उइगर समुदाय पर अत्याचार की हदें पार कर दी हैं। उसने लाखों उइगरों को कैंपों में बंधक बना रखा है। ऊंची दीवारों और कांटेदार तारों से घिरीं उन इमारतों के आसपास आम नागरिकों का जाना मना है। ऐसे कई लोग हैं, जिन्हें मामूली आरोपों के बावजूद कठोर सजाएं दी गईं। कुछ तो ऐसे हैं, जिन्हें लापता घोषित कर दिया गया है। उनके परिजन यह तक नहीं जानते कि वह व्यक्ति जीवित है या मृत! चीन ने शिंजियांग में ऐसी कई पाबंदियां लगा रखी हैं, जिनकी वहां के मीडिया में कभी चर्चा नहीं होती। उइगरों को अपने मजहब के मुताबिक नाम रखने, धार्मिक पुस्तक पढ़ने और परंपरागत परिधान पहनने समेत कई प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं चीन के इस कृत्य की निंदा करने से क्यों हिचकती हैं? क्या उन्हें इस बात का भय है कि ऐसा कर दिया तो आर्थिक रूप से समृद्ध चीन के साथ जुड़े उनके हितों पर आंच आएगी? इन थिंक टैंकों की रिपोर्टों पर अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं आंखें मूंदकर विश्वास करती हैं। कई बार तो पश्चिमी अख़बारों में ऐसी रिपोर्टें प्रकाशित कर दी जाती हैं, जिनका वास्तविकता से दूर-दूर तक कोई लेना-देना नहीं होता है। वे आज भी इस ग़लतफ़हमी के शिकार हैं कि भारत में पर्याप्त शौचालय नहीं हैं। जबकि पिछले एक दशक की बात करें तो घर-घर में शौचालय बन चुके हैं। कई घरों में तो दो या इससे ज्यादा शौचालय हैं। जब भारत चंद्रयान-3 की कामयाबी का जश्न मनाता है तो ये उसके औचित्य पर सवाल उठा देते हैं। ऐसे कई थिंक टैंक दुनियाभर को अर्थव्यवस्था पर उपदेश देते रहे, लेकिन उनकी नाक के नीचे अमेरिका व यूरोप के बैंक डूबते रहे! भारत अपने यहां समस्याओं के होने से इन्कार नहीं करता, लेकिन इतना तय है कि समय के साथ उनका समाधान हो जाएगा। भारतवासी इसमें सक्षम हैं।

ट्वीटर टॉक

समस्त देशवासियों को हिन्दी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। हिन्दी ने आजादी के समर से लेकर भारत के नवनिर्माण तक देशवासियों को एकता के सूत्र में बांधने का काम किया है तथा भारत को लोकतांत्रिक तरीके से मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई है।

-वसुंधरा राजे

'हिंदी दिवस' के अवसर पर सभी को शुभकामनाएँ देता हूँ। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की भाषाओं की विविधता को एकता के सूत्र में पिरोने का नाम 'हिंदी' है। स्वतंत्रता आन्दोलन से लेकर आजतक देश को एकसूत्र में बाँधने में हिंदी की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है।

-अमित शाह

प्रेरक प्रसंग

तस्वीर

एक राजा था जिसकी केवल एक टाँग और एक आँख थी। उस राज्य में सभी लोग खुशहाल थे क्यूंकि राजा बहुत बुद्धिमान और प्रतापी था। एक बार राजा के विचार आया कि क्यों खुद की एक तस्वीर बनवायी जाये। फिर क्या था, देश विदेशों से चित्रकारों को बुलवाया गया और एक से एक बड़े चित्रकार राजा के दरबार में आये। राजा ने उन सभी से हाथ जोड़ कर आग्रह किया कि वो उसकी एक बहुत सुन्दर तस्वीर बनायें जो राजमहल में लगायी जाएगी। सारे चित्रकार सोचने लगे कि राजा तो पहले से ही विकलांग है, फिर उसकी तस्वीर को बहुत सुन्दर कैसे बनाया जा सकता है? ये तो संभव ही नहीं है और अगर तस्वीर सुन्दर नहीं बनी तो राजा गुस्सा होकर दंड देगा। यही सोचकर सारे चित्रकारों ने राजा की तस्वीर बनाने से मना कर दिया।तभी पीछे से एक चित्रकार ने अपना हाथ खड़ा किया और बोला कि मैं आपकी बहुत सुन्दर तस्वीर बनाऊँगा जो आपको जरूर पसंद आएगी। फिर चित्रकार जल्दी से राजा की आज्ञा लेकर तस्वीर बनाने में जुट गया। काफी देर बाद उसने एक तस्वीर तैयार की जिसे देखकर राजा बहुत प्रसन्न हुआ और सारे चित्रकारों ने अपने दातों तले उंगली दबा ली।

सामयिक

चुनौतियों से जूझती हिन्दी

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'

मोबाइल-7379100261

हिन्दी भाषा के सामने चुनौतियों के दरवाजे न कभी बन्द थे और न आज बन्द हैं। सबसे बड़ी चुनौती तो यह है कि हिन्दी अपने ही गढ़ में पिट रही है। हिन्दी पट्टी में हिन्दी को लेकर गर्व का बोध होना चाहिए था, मगर उसके प्रति घोर उदासीनता व्याप्त है। बी.बी.सी. लंदन के हिन्दी पत्रकार मार्क टली की एक किताब है-इंडिया अनएन्डिंग जर्नी' ! इसमें उन्होंने लिखा है कि, मैंने जब भी किसी से प्रश्न पूछे तो लोगों ने हमेशा अंग्रेजी में ही जवाब दिए। मैं उन लोगों से बार-बार कहता हूँ कि जब मैं आप से हिन्दी में पूछता हूँ तो आप कृपा करके हिन्दी में ही जवाब दीजिए। आखिर आप को हिन्दी बोलने में शर्म क्यों आती है ?'

हिन्दी की दुर्दशा का इससे बड़ा क्या नमूना हो सकता है कि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, विहार, राजस्थान जैसे हिन्दी भाषी प्रदेशों में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षा में दसियों लाख परीक्षार्थी प्रत्येक वर्ष फेल होते हैं। क्या अहिंदी भाषियों को इससे हिन्दी न सीखने का एक ठोस बहाना नहीं मिल जाता है कि यह एक अति क्लिष्ट भाषा है ? अक्सर ही जब परास्नातक कक्षाओं के बच्चों से मैंने पूछा है कि एम. ए. किस विषय से कर रहे हो ? तब हिन्दी विषय वाले नब्बे प्रतिशत विद्यार्थियों ने बड़े हीनताबोध के साथ जवाब दिया है। वास्तव में प्रतियोगी परीक्षाओं, इंजीनियरिंग और मेडिकल की प्रवेश परीक्षाओं में कम से कम हिन्दीपट्टी में हिन्दी को शुरू से अनिवार्य बना दिया गया होता तो यह उत्साहहीनता न दिखती।

आज हिन्दी भाषी क्षेत्र में अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की बाढ़ सी आ गई है। इनके नाम के आगे वर्ल्ड, इन्टरनेशनल, यूरो जैसे शब्द अथवा किसी ईसाई संत के नाम जुड़े होते है। इनका ऐसा आकर्षण होता है कि अभिभावक इनके मायावी विज्ञापन तंत्र के जाल में फंस ही जाते हैं। पच्चीस से पचास हजार तक का शुल्क नर्सरी कक्षा में एडमिशन का लिया जा रहा है। मनोविज्ञान यह कहता है कि प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में होनी चाहिए। बचपन जीवन की नींव होता है। विदेशी भाषा का बोझ लादकर नींव को कमजोर करना ठीक नहीं ! यह हमारे मानसिक विकास के लिए भी अच्छा नहीं होता। मगर अंग्रेजियत को लेकर एक होड़ मची है। इनका जो शुल्क है, वह ईमानदारी की कमाई में तो सपर नहीं सकता। फलस्वरूप रिश्वत, जमाखोरी, मिलावट, बेईमानी और लूट को बढ़ावा मिलना तय है। यानी आज अंग्रेजी का बोलबाला राष्ट्र की मुख्य भाषा हिन्दी के लिए तो चुनौती बना ही है, हमारे राष्ट्रीय चरित्र और नैतिकता के समक्ष भी संकट खड़ा कर रहा है। वास्तव में हिन्दी हमारे लिए सम्प्रेषण का एक यांत्रिक माध्यम भर नहीं है। यह हमारे देश और समाज की आशा है। इसमें हमारे समाज के सपने पलते हैं। यह करोड़ों देशवासियों की संस्कृति और जीवन शैली की संरक्षिका भी है। हिन्दी कमजोर होती जाएगी तो उसमें रची-बसी संस्कृति और संस्कार कमजोर हो जाएगा।

इतिहास में जाने पर हम पाते हैं कि हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं को छल-प्रपंच के साथ समाप्त करके भावी पीढ़ी को भारतीयता और अपनी जड़ों से काटने का उपक्रम बहुत पुराने समय से चला आ रहा है। सन 1192 के बाद इतिहास के राजपूत काल का अंत होता है। मुस्लिम शासकों ने हिन्दी यानी अपभ्रंस और डिंगल पर फारसी लाद दी। हिन्दी राजकाज की भाषा नहीं रही और पिछड़ती गई। बाद में फारसी का स्थान उर्दू ने ले लिया। हिन्दी अपनी बोलियों अवधी, ब्रज, राजस्थानी, मैथिली, मालवी, मगही के जरिए संघर्ष करती रही। लार्ड मैकाले के चार्टर ऐक्ट-1835 से अनुप्रेरित भाषा नीति तो इतनी कपटपूर्ण थी कि संस्कृत और फारसी के विद्वान भी बौद्धिक विमर्श की परिधि से निष्कासित हो गए। किन्तु हिन्दी अपने विविध रूपों में जान सामान्य की भाषा सदैव बनी रही।

ईस्ट इंडिया कंपनी के दिनों में जब अंग्रेज भारत में व्यापारी के साथ-साथ शासक की भूमिका में आ गए तो उनको सामान्य जन से व्यापक स्तर पर जुड़ने की आवश्यकता महसूस हुई। ऐसी स्थिति में तत्कालीन कलकत्ता में फोर्ट विलियम कालेज' की स्थापना की गई। वहाँ लल्लूलाल और सदल मिश्र हिन्दी सीखाने के लिए नियुक्त हुए। इनसे कम्पनी के अधिकारी हिन्दी सीखे और जनता से सम्पर्क साधने एवं संवाद कायम करने में सफल हुए। इससे अधिक न उन्हें हिन्दी की जरूरत थी, न आगे पनपने दिया। बल्कि हिन्दू और मुसलमान के बीच वैचारिक मतभेद को गहरा बनाए रखने के लिए हिन्दी और उर्दू का झगड़ा अलग से खड़ा कर दिया।

जैसा कि होता आया है, हर अंधेरी रात की एक उजली सुबह होती है। स्वतंत्रता आंदोलन के दिनों में यही हिन्दी के साथ हुआ। यद्यपि हिन्दी और उर्दू अलग-अलग लिपियों में लिखी जाने वाली कमोबेश एक जैसी भाषा थीं, किन्तु विभिन्न भाषा भाषी स्वतंत्रता आंदोलनकारियों के बीच सम्पर्क साधने में हिन्दी अधिक उपयोगी सिद्ध हुई। तब स्वाधीनता और स्वालम्बन के साथ स्वभाषा की संकल्पना अस्तित्व में आयी। उस समय हिन्दी ने पूरे देश को एकता के सूत्र में पिरोने में कामयाबी हासिल की थी। परिणामत: तभी हिन्दी भावी राष्ट्रभाषा की परिकल्पना के केंद्र में आ गई थी।

आधिकारिक तौर पर हिन्दी आज भी राष्ट्रभाषा नहीं है।14 सितम्बर 1949 को यह भारतीय गणराज्य के कामकाज की राजभाषा बनी। संविधान सभा में हिन्दी को राजभाषा बनने का प्रस्ताव तमिल भाषी गोपालस्वामी अयंगर ने रखा था। इसका समर्थन और अनुमोदन करने वालों में मराठी भाषी शंकरराव देव, तेलगु भाषी दुर्गावती, उर्दू भाषी मौलाना अबुल कलाम आजाद, गुजराती भाषी के. एम. मुंशी और कन्नड़ भाषी कृष्णमूर्ति थे। इनका समेकित मत था कि राष्ट्रीय एकता और विकास का आधार हिन्दी में ही सन्निहित है। इस समय यह कहा गया कि हिन्दी अभी विकासमान अवस्था में है। इसके पास तकनीक, प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, विधि, वाणिज्य, पुरातत्व जैसे विषयों की तकनीकी शब्दावली का अभाव है। साथ ही अहिंदी भाषी कर्मचारियों और अधिकारियों के बीच यह अनजान है। इसलिए हिन्दी के तत्काल व्यवहार में लाने की बात टाल दी गई। वर्ष 1954 में राजभाषा आयोग' का गठन हुआ। इसकी सिफारिशों के आधार पर 1963 में संसद के दोनों सदनों द्वारा राजभाषा अधिनियम-1963' पारित हुआ। पुनः 1965 में इसमें संशोधन किए गए और हिन्दी को कार्यालयीन भाषा बना दिया गया। किन्तु अंग्रेजी का वर्चस्व सड़क से संसद तक बना रहा।

वर्ष 1975 में राजभाषा नियम बनाए गए, जिसमें हिन्दी को लागू करने के लिए देश को 'क' 2ख' और 'ग' क्षेत्रों में बाँट दिया गया। 'क' यानी हिन्दी प्रदेश, 'ख' यानी अर्द्ध हिन्दी प्रदेश और 'ग' यानी अहिंदी भाषी प्रदेश। इसके तहत 'ग' श्रेणी के प्रदेश फिलहाल हिन्दी प्रयोग में सक्षम नहीं हैं, इसलिए एक समय सीमा के अंतर्गत हिन्दी प्रयोग के लिए अपने को तैयार करेंगे। इसके बाद राजकीय कामकाज में हिन्दी के व्यवहार का मामला 10-10 साल के लिए कई बार टलता चला आ रहा है। संसद, उच्च एवं उच्चतम न्यायालय, शोध, चिकित्सा, प्रद्यौगिकी संस्थान, प्रबंधन शैक्षिक संस्थान, उच्च स्तरीय संगोष्ठी सब कहीं अंग्रेजी का दबदबा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में प्राथमिक शिक्षा के लिए हिन्दी और क्षेत्रीय भाषाओं की विशेष संस्तुति, चिकित्सा की पढ़ाई, भारतीय प्रशासनिक सेवा, प्रादेशिक प्रशासनिक सेवा तथा कुछेक नए क्षेत्रों में हिन्दी की मान्यता हिन्दी को सशक्त बनाने वाले कदम होंगे।

आज की तारीख में हिन्दी सारे देश में बोली भले नहीं जाती है, लेकिन समझी सब जगह जाती है। विज्ञान, चिकित्सा, विधि, तकनीक, शोध की तकनीकी शब्दावली का हिन्दी में पर्याप्त विकास हो चुका है। पड़ोसी देश नेपाल में हिन्दी बोलने वालों की संख्या नेपाली बोलने वालों से अधिक है। पाकिस्तान, भूटान, बांग्लादेश और श्रीलंका में हिन्दी समझने वाले बहुत लोग हैं। फ़िजी, गुआना, मारिसस और दक्षिण अफ्रीका में गिरमिटिया मजदूरों के वंशजों ने हिन्दी की अवधी और भोजपुरी बोली को कमोबेश बचा रखा है।

आज हिन्दी सारी चुनौतियों से जूझते हुए वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनने में अग्रणी है। अब हिन्दी विश्व की सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषाओं में दूसरे नम्बर पर है-यह दावा राजभाषा विभाग की पत्रिका राजभाषा भारती' में गृह राज्यमंत्री ने एक साक्षात्कार में किया है। मंत्री महोदय के अनुसार, पिछले तीन दशकों में हिन्दी का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत तेजी से विकास हुआ है। वेब, संगीत, विज्ञापन, सिनेमा, बाजार के क्षेत्र में हिन्दी जिस तेजी से बढ़ी है, वैसी तेजी और किसी भाषा के लिए देखने में नहीं आयी। विश्व के डेढ़ सौ विश्वविद्यालयों तथा सैकड़ों अन्य शैक्षणिक संस्थानों में शोध स्तर तक हिन्दी के अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था है। वायस ऑफ अमेरिका, बी.बी.सी. लंदन, एन.एच.के. वर्ल्ड जापान, डायचेवेले जर्मनी, हम एफ.एम., यूएई सहित कई देश हिन्दी में नियमित कार्यक्रम का प्रसारण करते हैं। विदेशी धरती से दो दर्जन से अधिक पत्रिकाएं भी बराबर प्रकाशित हो रही हैं। गत वर्ष हिन्दी संयुक्त राष्ट्र संध की कामकाज की भाषा के रूप में तो स्वीकार की ही गई, संयुक्त अरब अमीरात ने हिन्दी को अपने यहाँ की तीसरी अदालती भाषा की मान्यता भी दी है।

हमारे बचपन में पुराने शिक्षित लोगों का कहना था कि बुद्धि के विकास की जैसी क्षमता अंग्रेजी मे सन्निहित है, वैसी हिन्दी तो क्या किसी भी भारतीय भाषा में नहीं है। जबकि विशुद्ध शिक्षा शास्त्रीय दृष्टि से विश्लेषण करें तो बुद्धि और भाषा के अलग-अलग क्षेत्र हैं। भाषा संपर्क, अभिव्यक्ति, चिंतन, तर्क, संस्कृतिबोध और कल्पना का माध्यम होती है। जबकि बुद्धि नई परिस्थितियों से अनुकूलन और कार्य कारण सम्बन्ध की समझ से ताल्लुक रखती है। उन दिनों हमारे पड़ोसी गाँव में स्थित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पूर्वी उत्तर प्रदेश के अग्रणी कालेजों में गिना जाता था। कालेज के प्राचार्य बाबू रामबरन सिंह कहते थे-कला संवर्ग का छात्र अगर अंग्रेजी नहीं पढ़ रहा तो समझना चाहिए, वह पढ़ाई के नाम पर समय काट रहा है।

अंग्रेजियत की यह आभा मूलतः लार्ड मैकाले की देन थी। दुख इस बात का है कि आजादी के इतने सालों बाद भी हम मैकाले की बिदाई नहीं कर सके हैं। बल्कि आज उनका अंग्रेजी को लेकर गढ़ा गया मिथक हमारे देश के बचपन' को डसने में लग गया है। फिर भी इन समस्त चुनौतियों से जूझती हिन्दी आगे बढ़ रही है तो यह उसकी जिजीविषा है, जो उसे आगे बढ़ा रही है। यह इस बात के लिए भी आश्वस्त करती है कि आने वाले वर्षों में हिन्दी को विश्व भाषा बनने से कोई नहीं रोक सकता है। आमीन...।

चिंतन

'इंडिया' गठबंधन की राह में बाधा न बन जाए 'आप'

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा कहते हैं कि गठबंधन को सफल बनाने के लिए इसमें शामिल प्रत्येक राजनीतिक दल को तीन चीजों का त्याग करना होगा- महत्वाकांक्षा, मतभेद और मनभेद। पर खुद आप की कथनी और करनी में गहरा फासला है। जो राजनीतिक दल फर्जीवाड़े एवं भ्रष्टाचार को सामान्य मानते हैं, हर कहीं जनता की आंखों में धूल झोंकने के लिए कुछ भी कह दो, कुछ भी कर लो और उजागर होने पर माफी मांगकर आगे बढ़ जाओ की विकृत सोच, चालाकी एवं अवसरवादी राजनीति पर नियंत्रण करना होगा।

आज की राजनीति सत्ताकांक्षी अधिक है, जबकि उसका मूल लक्ष्य राष्ट्र-निर्माण एवं राष्ट्र उन्नति कहीं गुम हो गया है। हर राजनेतिक दल राष्ट्रहित नहीं, अपने स्वार्थ की सोच रहा है। जैसे-जैसे पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव एवं अगले वर्ष आम चुनाव नजदीक आते जा रहे हैं, हर दल येन-केन-प्रकारेण ज्यादा-से-ज्यादा वोट प्राप्त करने की तरकीबें निकाल रहे हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों के महागठबंधन 'इंडिया' के बनने से पहले ही उसमें सीटों एवं शीर्ष नेतृत्व को लेकर फूट, अलग सुर, ऊंची महत्वाकांक्षा और बेतरतीब तालमेल दिखने लगा हैं। इसमें सबसे ज्यादा अति-महत्वाकांक्षी आम आदमी पार्टी सेंध लगा रही है। राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में लगभग सभी सीटों से चुनाव लड़ने की उसकी घोषणा ने इंडिया में खलबली मचा दी है। निश्चित ही वर्तमान राजनीति परिवेश में आम आदमी पार्टी ने अपनी स्वतंत्र जगह बनाई है, भविष्य में यह दल प्रमुख विपक्षी दल के रूप में उभर कर सामने आ जाये तो कोई आश्चर्य की बात नहीं है।

राजनीति में अक्सर यह कहा जाता है कि जो दिखता है वह होता नहीं और जो होता है वह दिखता नहीं। विपक्षी गठबंधन इंडिया की 14 सदस्यीय को-ऑर्डिनेशन कमेटी की पहली बैठक दिल्ली में बेनतीजा रही। इसमें नेतृत्व के मुद्दे और सीटों को लेकर फैसला लिया जाना था, उस पर अब भी आपसी सहमति नहीं बन पाई है। सहमति बनाना आसान भी नहीं दिख रहा है। महागठबंधन में सबकुछ ठीक दिख नहीं रहा है। कोलकाता में भी ममता दीदी को नेतृत्व करने के लिए आवाज उठ रही है। महागठबंधन में भले ही कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस साथ दिख रहे हों लेकिन कांग्रेस के लोकसभा में नेता अधीर रंजन चौधरी ही ममता को राष्ट्रपति द्वारा दिए गए जी-20 के भोज में शामिल होने पर कटाक्ष कर चुके हैं। दिल्ली में भी अरविंद केजरीवाल के लिए आम आदमी पार्टी के नेता नेतृत्व की मांग कर चुके हैं। आगामी विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी राजस्थान में सभी सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा कर पहले ही महागठबंधन के अंदर की स्थिति को जगजाहिर कर चुकी है। हर राज्य में अमूमन कुछ न कुछ यहीं स्थिति है। ऐसे में महागठबंधन की राह आसान तो कतई नहीं है।

आम आदमी पार्टी ने पिछले कुछ सालों कई राज्यों तक अपना विस्तार कर लिया है। दिल्ली के बाद उसने पंजाब में सरकार बनाई है, गुजरात में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई है और मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में भी किस्मत अजमाने के साथ इसी कड़ी में बिहार में भी चुनाव लड़ने जा रही है। असल में गतदिनों दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने अपने बिहार के कार्यकर्ताओं के साथ एक बैठक की। उस बैठक के बाद ही आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री संदीप पाठक ने बताया कि पार्टी बिहार में भी चुनाव लड़ेगी। उनके मुताबिक चुनाव लड़ने या ना लड़ने का सवाल ही नही उठता है, चुनाव में तो उतरना ही पड़ेगा। अब आम आदमी पार्टी के इन मंशाओं एवं घोषणाओं का इंडिया महागठबंधन पर असर होना स्वाभाविक है। आरजेडी नेता और सांसद मनोज झा ने दो टूक कहा है कि जिस समय विपक्षी एकता की नींव रखी गई थी, ये साफ किया गया था कि सभी पार्टियों को कुछ नियमों को पालन करना होगा। उन्होंने उम्मीद जताई है कि आम आदमी पार्टी भी उन सिद्धांतों का पालन करेगी। वैसे आम आदमी पार्टी के लिए बिहार कोई पहला राज्य नहीं है जहां वो दूसरे दलों के विरोध के बीच उतरने की बात कर रही हो।

कुछ दिन पहले ही आप संयोजक अरविन्द केजरीवाल ने कहा था कि वे मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में चुनाव लड़ने जा रहे हैं। दोनों ही राज्यों में उनकी तरफ से कांग्रेस पर निशाना भी साधा गया। इसी कड़ी में दिल्ली में कांग्रेस ने भी तल्ख तेवर दिखाते हुए कह दिया कि सातों सीटों पर चुनाव लड़ा जाएगा। यानी कि हर तरफ इंडिया गठबंधन के लिए चुनौती वाली स्थिति बन रही है। अब आम आदमी पार्टी की मंशा यह भी है कि लोकसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस दिल्ली और पंजाब में चुनाव न लड़े। विपक्षी गठबंधन की पटना बैठक के दौरान आप नेताओं ने अपने बयानों में इस बात का जिक्र भी किया था। आप नेताओं ने ऐसा करने पर कांग्रेस के साथ आगामी विधानसभा चुनाव वाले राज्यों में सहयोग करने के लिए राजी होने के संकेत दिए थे, पर इस मसले पर कांग्रेस नेताओं के अलग-अलग विचार हैं, जिसकी वजह से बात अभी तक नहीं बन पाई है। आप पार्टी एवं उसके नेता केजरीवाल की राजनीति एवं सोच अति महत्वाकांक्षी है, उनका व्यवहार झूठा है, चेहरों से ज्यादा नकाबें उन्होंने ओढ़ रखी है, उन्होंने सारे लोकतांत्रिक एवं राजनीतिक मूल्यों को धराशायी कर दिया है। ऐसी महत्वाकांक्षी राजनीति के चलते इंडिया महागठबंधन के भविष्य को लेकर ऊहापोह की स्थिति बन रही हैं। वक्त आ गया है कि देश की राजनीतिक संस्कृति की गौरवशाली विरासत को सुरक्षित रखने के लिये सतर्क एवं सावधान होना होगा। दिशाशून्य हुए विपक्षी नेतृत्व को नये मानदण्ड स्थापित करने होंगे।

बड़ी-बड़ी बातें करने वाली आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा कहते हैं कि गठबंधन को सफल बनाने के लिए इसमें शामिल प्रत्येक राजनीतिक दल को तीन चीजों का त्याग करना होगा- महत्वाकांक्षा, मतभेद और मनभेद। पर खुद आप की कथनी और करनी में गहरा फासला है। जो राजनीतिक दल फर्जीवाड़े एवं भ्रष्टाचार को सामान्य मानते हैं, हर कहीं जनता की आंखों में धूल झोंकने के लिए कुछ भी कह दो, कुछ भी कर लो और उजागर होने पर माफी मांगकर आगे बढ़ जाओ की विकृत सोच, चालाकी एवं अवसरवादी राजनीति पर नियंत्रण करना होगा। दरअसल गठबंधन में शामिल सभी पार्टियां महत्वाकांक्षा को त्यागने के दावे तो बहुत करती हैं पर वास्तव में कोई तैयार नहीं होता है।

इंडिया महागठबंधन में आम आदमी पार्टी सीटों के प्रश्न पर सबसे ज्यादा जड़ बनी हुई है। हरियाणा- दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी की बढ़ती राजनीतिक इच्छाएं मुश्किल का सबब बन रही हैं। दिल्ली और पंजाब में कांग्रेस हो या आम आदमी पार्टी कोई भी अपना हित छोड़ने को तैयार नहीं है। दिल्ली-पंजाब और हरियाणा में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की राज्य इकाइयां खुलकर आमने-सामने हैं। ऐसी स्थितियों में इंडिया का एजेंडा कैसे आगे बढ़ेगा? निश्चित ही इन स्थितियों में भारतीय जनता पार्टी की राह आसान होती हुई दिखाई दे रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चुनौती देने की इंडिया एवं आम आदमी पार्टी की इच्छा आकार लेती हुई दूर तक दिखाई नहीं दे रही है।

भले ही 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले मोदी को चुनौती देने के लिए केजरीवाल खुले तौर पर इंडिया महागठबंधन में शामिल हो गए। लेकिन केजरीवाल के कई अगर-मगर हैं। वह खुद के बुते ही चुनाव लड़ने की मानसिकता के शिकार है। इसीलिये 'आप' रोजी-रोटी के मुद्दों और आम आदमी से जुड़े मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित कर रही है। केजरीवाल हिन्दू मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए नरम हिन्दुत्व का खेल भी खेल रही हैं। केजरीवाल मुफ्त की पेशकश कर मतदाताओं को लुभाना चाहते हैं लेकिन उत्तर की रणनीति दक्षिणी राज्यों में कितनी कारगर हो सकती है, कहा नहीं जा सकता। आप की एक और दिक्कत है कि वह केजरीवाल तक ही केन्द्रित है। जबकि केजरीवाल को दूसरी पंक्ति के राज्य के नेताओं का निर्माण करने की जरूरत है। पार्टी के संस्थापक सदस्य जैसे कि प्रशांत भूषण, योगेन्द्र यादव, शाजिया इलमी, कुमार विश्वास, आशुतोष और सिविल सोसायटी के सदस्य पिछले एक दशक में केजरीवाल की उद्यता का विरोध करते हुए आम आदमी पार्टी छोड़ चुके हैं। लगभग यही स्थिति इंडिया में बनने लगे तो कोई आश्चर्य नहीं?

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैयाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हर घटना से राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश करना विपक्ष की आदत बन गई है: भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कश्मीर में आतंकवादियों से मुठभेड़ में सुरक्षा अधिकारियों के मारे जाने की खबरों के बीच जी20 शिखर सम्मेलन की सफलता के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सम्मानित किए जाने की आलोचना कर रहे विपक्षी दलों पर पलटवार करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को कहा कि हर घटना से राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास करना विपक्ष की आदत बन गई है।

भाजपा महासचिव और जम्मू-कश्मीर के लिए पार्टी के प्रभारी तरुण चुघ ने विपक्ष के आरोपों के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा, ''हर चीज से राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास करना विपक्ष की आदत बन गई है।'' आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में सर्वोच्च बलिदान देने वाले सेना के एक कर्नल, एक मेजर और एक पुलिस उपाधीक्षक को श्रद्धांजलि देते हुए चुघ ने कहा कि हत्यारों को बख्शा नहीं जाएगा। पार्टी के एक अन्य नेता और जम्मू-कश्मीर के लिए भाजपा के सह-प्रभारी आशीष सूद ने स्थायी शांति के लिए पाकिस्तान के साथ वार्ता की वकालत करने के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला की निंदा की और दावा किया कि यह केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवाद को जमीनी समर्थन के समान है। उन्होंने कहा, ''यह दावा करना कि आतंकवाद कम नहीं हो रहा है, सशस्त्र बलों के बलिदान का अपमान है। पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देता है और कोई उस देश के साथ बातचीत की वकालत कर रहा है तो यह आतंकवाद का समर्थन करने के समान है।' चुघ ने कहा कि पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में शांति भंग करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है और लोगों को निशाना बनाने के लिए दिन-रात अपनी दुर्भावनापूर्ण रणनीति अपना रहा है। बुधवार तड़के आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में 19 राष्ट्रीय राइफल्स के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष ढोनाक और पुलिस उपाधीक्षक हुमायूं भट शहीद हो गए थे। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों द्वारा सुरक्षाकर्मियों की हत्या के दिन जी20 शिखर सम्मेलन की सफलता के मौके पर 'समारोह' आयोजित करने को लेकर कई राजनीतिक दलों ने भाजपा की आलोचना की है। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''जिस समय सीमा पर हमारी सेना के तीन अधिकारियों के शहीद होने की दुखद खबरें आ रही थीं, उसी समय भाजपा मुख्यालय में बादशाह के लिये जश्न की महफ़िल सजी थी।

स्वागत

बीना में गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मध्य प्रदेश के बीना में लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

सई पल्लवी बॉलीवुड में डेब्यू करेंगी

मुंबई/एजेन्सी

'मारी 2', 'फिदा', 'गार्गी' और 'श्याम सिंघा रॉय' से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री सई पल्लवी हिंदी सिनेमा में कदम रखने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अभिनेत्री बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान के बेटे जुनैद खान की फिल्म से डेब्यू करेंगी, जो कथित तौर पर एक प्रेम कहानी के रूप में बनाई जाएगी।

ट्रैक टॉलीवुड के अनुसार, जहां आमिर ने अपनी फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' की बॉक्स-ऑफिस पर असफलता के बाद ब्रेक लिया है, वहीं उनका बेटा यशराज फिल्म्स के बैनर तले एक फिल्म में अपने बड़े बॉलीवुड डेब्यू की तैयारी कर रहा है। यशराज फिल्म्स के लिए सिनेमाघरों में शाहरुख खान-स्टारर 'पठान' और ओटीटी पर 'द रोमांटिक्स' के साथ यह बॉक्स-ऑफिस पर एक सफल वर्ष रहा है।

'भारतीय सैनिक चीन के साथ लगी सीमा की एक-एक इंच की रक्षा कर रहे हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। लद्दाख के उपराज्यपाल ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) बी डी मिश्रा ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय सैनिक चीन से लगी सीमा के एक-एक इंच की रक्षा कर रहे हैं और हाल के वर्षों में पड़ोसी देश ने एक इंच भी जमीन पर कब्जा नहीं किया है। उन्होंने कहा कि पूरे लद्दाख में सड़कों, हेलीपैड, सुरंगों और पुलों के निर्माण के साथ बुनियादी ढांचे का विकास तेजी से हो रहा है और भारत अगले चार-पांच वर्ष के भीतर इस संबंध में चीन के बराबर पहुंच जाएगा।

ब्रिगेडियर मिश्रा (सेवानिवृत्त) तीन दिवसीय 'नॉर्थ टेक' संगोष्ठी के सिलसिले में जम्मू में थे, जो बुधवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान(आईआईटी) जम्मू में संपन्न हुई।

इस आयोजन ने रक्षा उत्पादन और प्रौद्योगिकी प्रसार में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के साथ-साथ उत्तरी कमान में सेना की अभियानगत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विशिष्ट समाधान तैयार करने की दिशा में शिक्षा और उद्योग के बीच जुड़ाव के लिए एक मंच प्रदान किया।

उपराज्यपाल ने यहां एक विशेष साक्षात्कार में 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, ''अगर एशिया में

उनके (चीन) मुकाबले में कोई है, तो वह भारत है। चीन नापाक मंसूबे वाला देश है। इसलिए शुरू से ही, उसकी नीति भारत को रोकने, धमकाने और मजबूर करने की रही है। इसलिए वे पिछले दो, तीन दशकों से ऐसा कर रहे हैं।''

मिश्रा ने कहा कि भारत ने लगभग छह-सात साल पहले इस क्षेत्र में बुनियादी ढांचे का विकास शुरू किया था। उपराज्यपाल ने कहा, ''लेकिन जिस तरह से हम सड़कों, हेलीपैड, एयरफील्ड, सुरंगों और पुलों जैसे बुनियादी ढांचे का विकास कर रहे हैं, अगले चार या पांच वर्ष में हम चीन के बराबर हो जाएंगे और हम अपनी सीमाओं पर बुनियादी ढांचे के मामले में, यदि बेहतर नहीं भी तो, चीन के समान होंगे।''

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पिछले महीने कहा था कि लद्दाख में हर व्यक्ति जानता है कि चीन ने ''हमारी जमीन पर कब्जा कर लिया है।'' गांधी के इस बयान के बारे में पूछे जाने पर उपराज्यपाल ने कहा कि जमीनी हकीकत यह है कि पड़ोसी देश ने हालिया वर्षों में भारतीय भूभाग के एक वर्ग इंच पर भी कब्जा नहीं किया है।

उपराज्यपाल ने कहा, ''मैं इस पर टिप्पणी नहीं करूंगा कि किसी व्यक्ति विशेष ने क्या कहा है या कोई खास व्यक्ति क्या कह रहा है। मैं आपको अपने दौरे, अवलोकन और जमीनी हकीकत देखने के आधार पर जवाब दूंगा। तथ्य यह है कि भारत की एक वर्ग इंच जमीन पर भी उनका (चीन) कब्जा नहीं है।''

ब्रिगेडियर मिश्रा (सेवानिवृत्त) ने कहा कि भारतीय सैनिक सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं और वे इसके एक-एक इंच की रक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''जिसे जो कहना है कहे लेकिन तथ्य यह है कि भारत की एक इंच भी जमीन चीन के कब्जे में नहीं है। 1962 में (भारत-चीन युद्ध के दौरान) जो कुछ भी हुआ, वह एक अतीत की कहानी है...वह एक अलग मुद्दा है लेकिन जब मैं वर्तमान की बात कर रहा हूं और वास्तविक नियंत्रण रेखा की हमारी अपनी परिभाषा के अनुसार, हम वहां मौजूद हैं।''

पिछले महीने लद्दाख के नौ दिवसीय दौरे के दौरान गांधी ने उस समय सीमा मुद्दे को दो बार उठाया जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने जोहानिसबर्ग में ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) शिखर सम्मेलन से इतर बातचीत की।

विपक्षी गठबंधन में आपातकाल की मानसिकता जिंदा : जेपी नड्डा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने बृहस्पतिवार को विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' यानी 'इंडिया' पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि उसके घटक सिर्फ दो चीजें कर रहे हैं, जिनमें 'सनातन' संस्कृति को कोसना और मीडिया को 'धमकी देना' शामिल हैं। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया, ''इन दलों में आपातकाल के दौर की मानसिकता जिंदा है।''

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने यह भी कहा, ''आईएनडीआई गठबंधन को अपनी हरकतों से तुरंत बाज आना चाहिए। उन्हें इसके बजाय रचनात्मक कार्य और लोगों की सेवा पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। ''

नड्डा की यह टिप्पणी कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल के उस बयान के एक दिन बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि विपक्षी गठबंधन की समन्वय समिति ने मीडिया से संबंधित कार्य समूह को उन एंकरों के नाम तय करने के लिए अधिकृत किया है, जिनके शो पर विपक्षी गठबंधन का कोई भी सदस्य अपने प्रतिनिधियों को नहीं भेजेगा।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस के इतिहास में मीडिया को धमकी देने और अलग-अलग विचारों वाले लोगों को चुप कराने के कई उदाहरण हैं। इस क्रम में उन्होंने प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के कार्यकाल का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, ''पंडित नेहरू ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया और उनकी आलोचना करने वालों को गिरफ्तार किया। इंदिरा जी तो इस मामले में स्वर्ण पदक विजेता बनी हुई हैं। उन्होंने प्रतिबद्ध न्यायपालिका, प्रतिबद्ध नौकरशाही का आह्वान किया और भयावह आपातकाल लगाया। राजीव जी ने मीडिया को राज्य के नियंत्रण में लाने की कोशिश की लेकिन बुरी तरह विफल रहे।''

किम जोंग की रूस की यात्रा के बीच दक्षिण कोरिया ने चिंता जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन को लड़ाकू विमान बनाने वाले रूस की एक विमान विनिर्माण ईकाई का दौरा करना था और फिर उन्हें देश के पैसिफिक फ्लीट की यात्रा करनी थी लेकिन वह कहां हैं, इस बात की जानकारी नहीं है। वहीं दक्षिण कोरिया ने बृहस्पतिवार को इस बात पर गहरी चिंता और खेद जताया कि किम जोंग की यात्रा में सैन्य सहयोग के विस्तार पर ध्यान दिया गया है।

सियोल में इस बात को लेकर व्यापक चिंता है कि गोला बारूद की आपूर्ति करने के बदले में उत्तर कोरिया को रूस से उन्नत हथियार प्रौद्योगिकियां मिल सकती हैं जिनमें सैन्य जासूसी उपग्रह से संबंधित प्रौद्योगिकी भी शामिल है और यह किम जोंग के सैन्य परमाणु कार्यक्रम से उत्पन्न खतरे को और बढ़ाएगा।

दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिम सू-सुक ने कहा, हम अपनी गहरी चिंता और खेद व्यक्त करते हैं कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय की बार-बार की चेतावनियों के बावजूद, उत्तर कोरिया और रूस ने अपने शिखर सम्मेलन के दौरान उपग्रह विकास सहित सैन्य सहयोग के मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने एक प्रेस वार्ता में कहा, '' उपग्रह प्रणाली के साथ-साथ बैलिस्टिक मिसाइल प्रौद्योगिकियों समेत परमाणु हथियार और मिसाइल विकास में सहयोग देने वाला कोई भी विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के खिलाफ है। लिम ने यह भी रेखांकित किया कि किम जोंग के साथ रूस गए प्रतिनिधिमंडल में ऐसे कई लोग शामिल हैं जिन पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने उत्तर कोरिया के अवैध हथियार विकास गतिविधियों के लिए प्रतिबंध लगाया हुआ है।

लिम ने कहा कि मॉस्को को यह एहसास करना चाहिए कि अगर वह उत्तर कोरिया के साथ सैन्य सहयोग को लेकर आगे बढ़ता है तो सियोल के साथ उसके संबंधों पर बहुत नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

फिल्म 'सुखी' का नया गाना 'नशा' हुआ रिलीज

नई दिल्ली/एजेन्सी

एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी की अपकमिंग फिल्म 'सुखी' का नया गाना 'नशा' रिलीज हो गया है, जिसमें पॉप स्टार बादशाह नजर आ रहे हैं। यह गाना उनके मां के किरदार की भावना को बखूबी दर्शाता है, जो रूटीन लाइफ से ब्रेक लेकर एन्जॉय करना चाहती हैं। यह गाना पॉप सॉन्ग है, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक इन्फ्लुएंस है, जो सिंथ-पॉप या मॉडर्न इलेक्ट्रॉनिक पॉप की खासियत है, हालांकि इसमें बॉलीवुड के डांस सॉन्ग का टच भी है, और निश्चित रूप से यह एक फुट टैपर है। 'नशा' गाना फिल्म की थीम से कहीं अधिक मेल खाता है और दर्शकों को खुशी का एहसास कराता है।

'नशा' के वीडियो में शिल्पा के इसी नाम के किरदार सुखी और उसके दोस्तों को दिखाया गया है,

जो अपने स्कूल रियूनियन में जाते हैं। गाने को बादशाह और अफसाना खान ने गाया है। वहीं, गाने के लिरिक्स राजा दिलवाला ने लिखे हैं, जबकि, म्यूजिक कंपोजिशन बादशाह और हितेन ने दिया है। फिल्म 'सुखी' में शिल्पा शेट्टी, कुशा कपिला, दिलनाज ईरानी, पवलीन गुजराल, चैतन्य चौधरी और अमित साध हैं। 'सुखी' 22 सितंबर, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी और इसका निर्देशन सुनल जोशी ने किया है, जो भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, विक्रम मल्होत्रा और शिखा शर्मा द्वारा निर्मित है। फिल्म को राधिका आनंद ने लिखा है, जबकि पटकथा पॉलोमी दत्ता ने लिखी है।

नुपुर शिखरे के साथ शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं आमिर खान की बेटी इरा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान की बेटी इरा खान अपने मंगेतर नुपुर शिखरे के साथ विवाह बंधन में बंधने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। जनवरी 2024 में यह शादी उदयपुर में होगी। शादी का उत्सव तीन दिनों तक चलेगा। इस शादी में केवल परिवार के सदस्य ही शामिल होंगे। एक सूत्र के अनुसार, इरा और नुपुर शिखरे सबसे पहले दिसंबर के अंत में मुंबई की अदालत में विवाह पंजीकरण कराएंगे। जिसके बाद वे जनवरी के पहले सप्ताह में अपने विवाह समारोह के लिए उदयपुर जाएंगे। सूत्र ने आगे बताया कि यह निजी समारोह होगा और इसमें केवल परिवार के सदस्य ही शामिल होंगे जैसा कि हाल ही में बी-टाउन शादियों में चलन रहा है।

आमिर खान और रीना दत्ता की बेटी इरा ने 18 नवंबर, 2022 को फिटनेस ट्रेनर नुपुर शिखरे से सगाई की थी। सगाई समारोह में आमिर, रीना दत्ता, किरण राव, अभिनेता इमरान खान और परिवार के अन्य सदस्य शामिल हुए। पार्टी के लिए जहां इरा ने स्वीटहार्ट नेकलाइन स्ट्रैपलेस रेड गाउन चुना था, वहीं नुपुर ब्लैक पैंटसूट में बेहद खूबसूरत लग रहे थे। इरा और नुपुर सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के प्रति अपने प्यार का इजहार करने से कभी नहीं कतराते हैं। नुपुर ने सितंबर 2022 में इटली में एक ट्रायथलॉन के दौरान इरा को प्रपोज किया था।

अनु मलिक और हिमेश रेशमिया के साथ मेरा रिश्ता अद्भुत : आदित्य नारायण

नई दिल्ली/एजेन्सी

गायक और अभिनेता आदित्य नारायण ने संगीतकार अनु मलिक और हिमेश रेशमिया के साथ अपने रिश्तों को लेकर बात की। आदित्य इस समय सिंगिंग रियलिटी शो 'सा रे गा मा पा' की मेजबानी कर रहे हैं, जिसमें हिमेश रेशमिया, नीति मोहन, अनु मलिक जज हैं। आदित्य ने अनु और हिमेश के साथ अपने ऑफ-स्क्रीन रिश्ते के बारे में खुलासा किया। उन्होंने कहा, मेरा रिश्ता अद्भुत है। वे ऐसे लोग हैं, जिनका मैं आदर करता हूं। अनुजी और हिमेश जी इंडस्ट्री के दिग्गज हैं। वे मेरे पिता के समकालीन हैं। संगीतकार अनु मलिक को उनके गाने 'आइला रे', 'जानम समझा करो', 'एक गरम चाय की प्याली' और फिल्म 'बॉर्डर' के गानों के लिए जाना जाता है। उनके बारे में बात करते हुए आदित्य ने कहा, अनुजी ने हमेशा मुझे अपने बेटे की तरह माना है। हमारे बीच बहुत प्यार भरा रिश्ता है। वह विशिष्ट बहिर्मुखी अल्फा पुरुष हैं जो मैं कभी नहीं हो सकता।

संगीत निर्देशक हिमेश के लिए 36 वर्षीय गायक ने कहा, हिमेशजी के लिए मेरे मन में एक अलग प्यार है। वह मुझसे कहते हैं कि मैं हमेशा आप में अपना बेटा देखता हूं। मुझे लगता कि बहुत सारे लोग हैं जो मेरा समर्थन करते हैं और प्रोत्साहित करते हैं।''

घोषणा

हैदराबाद में गुरुवार को फैशन प्रेमी हैदराबाद के बंजारा हिल्स में हिलिफ़ प्रदर्शनी की तारीख की घोषणा कार्यक्रम में।

अमिताभ ने विश्व कप के लिए भारतीय क्रिकेट टीम को दी शुभकामनाएं

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई। मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने एमएस धोनी, रोहित शर्मा और विराट कोहली को 'शानदार खिलाड़ी' बताते हुए आगामी क्रिकेट 'विश्व कप 2023' के लिए भारतीय टीम को शुभकामनाएं दी। क्विज-आधारित रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' सीजन 15 के 23वें एपिसोड में मध्य प्रदेश के इंदौर के शुभम गंगराडे ने हॉट सीट पर अपना सफर जारी रखा। होस्ट बिग बी ने एपिसोड की शुरुआत यह कहकर की, देवियों और सज्जनों, इस शो में आने वाला हर प्रतियोगी सही मायने में एक खिलाड़ी है। एक क्रिकेटर की तरह, वे सीमा के पार, हर बाधा को पार कर सकते हैं। अभिनेता ने कहा, एक मुक्केबाज की तरह वे जीवन की हर चुनौती को अपरकट से हरा सकते हैं। एक फुटबॉलर की तरह, वे बहुत कुशलता से डिफेंडरों के बीच से गेंद को ड्रिबल करके गोल तक पहुंचा सकते हैं।''

उन्होंने कहा, फ़ॉर्मूला वन कार चालक की तरह, वे अन्य ड्राइवरों से तेज गति से आगे निकल सकते हैं, और एक चैंपियन की तरह वे यह भी जानते हैं कि हॉट सीट पर कैसे पहुंचना है। ऐसा इसलिए है क्योंकि भारत की लगभग 140 करोड़ की आबादी में से अगर एक भी प्रतियोगी हॉट सीट पर पहुंचता है, तो वह एक चैंपियन के अलावा और कुछ नहीं हो सकता।'' 80 वर्षीय अभिनेता ने कहा, एक चैंपियन मेरे ठीक सामने बैठा है और उसका नाम मिस्टर शुभम गंगराडे है। वह एक टेलीकॉम कंपनी में प्रोजेक्ट रिगर हैं। शो में अपने छोटे भाई के साथ आए प्रतियोगी ने कहा, सर, मैं एक छोटी सी बात साझा करना चाहता हूं। मेरा छोटा भाई भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा का बहुत बड़ा प्रशंसक है।

यह सुनकर अमिताभ ने कहा कि वह भी रोहित शर्मा के बहुत बड़े फैन हैं। अभिनेता ने कहा, मेरा मानना है कि देश में सभी क्रिकेट प्रशंसक हैं। रोहित शर्मा, विराट कोहली, एमएस धोनी ये सभी शानदार खिलाड़ी हैं। उन्हें यह जानकर खुशी होगी कि आप उनके बहुत बड़े प्रशंसक हैं, बशर्ते वह शो देख रहे हों। विश्व कप नजदीक है, मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं।'' 'कौन बनेगा करोड़पति 15' सोनी पर प्रसारित होता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | शुक्रवार | 15-09-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर, राजराजेश्वरीनगर, हनुमंतनगर, यशवंतपुर के तत्वावधान में सामूहिक रूप में विजयनगर स्थित अर्हम भवन में मुनिश्री दीपकुमारजी के सान्निध्य में पर्व पर्वाधिराज पर्युषण के तृतीय दिन सामायिक दिवस के अवसर पर अभिनव सामायिक का आयाजेन किया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

मोदी कप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बजरंगी क्रिकेट क्लब द्वारा मागड़ी रोड स्थित बीआईसीसी इंफि न्टी खेल मैदान में क्रिकेट प्रतियोगिता 'मोदी कप' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जीत या हार आपकी प्रतिभा के साथ आपकी सोच पर भी निर्भर करती है । मन के जीते जीत है मन के हारे हार। अगर आपने मान लिया तो हार है अगर आपने ठान लिया तो जीत है। उन्होंने यह भी कहा जीत को सिर पर मत चढ़ने दो और हार को दिल में मत बैठने दो ।आयोजकों ने मुणोत का सम्मान भी किया।

'पौषध से आत्मा की सर्जरी होती है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री तत्वत्रयाश्रीजी, गोयमरत्नाश्रीजी व परमप्रज्ञाश्रीजी की निश्रा में पर्युषण पर्व के तीसरे दिन साध्वी तत्वत्रयाश्रीजी ने पौषध के बारे में बताते हुए कहा कि पौषध करना यानी आत्मा का पोषण करना। आजकल सब शरीर का पोषण करते हैं। इन आठ दिनों में आत्मा का पोषण करें। सामायिक प्रतिक्रमण पौषध करें। जिस तरह हार्ट सर्जरी करते हैं,उसी तरह पौषध से आत्मा की सर्जरी होती है। इन आठ दिनों में इंद्रियों को ब्रेक दें। भगवान महावीर ने पर्युषण की दो जरुरी बातें बताई है सामयिक और पौषध। स शब्द यानी साधना–समता की साधना करें, म यानी ममता को छोड़े, य अर्थात यतना, जीवन में यतना से चलें क यानी करुणा–सभी जीवों के प्रति दया रखें दूसरा है पौषध यह दो प्रकार की होती है–देशा बगासिक और प्रतिपूर्ण पौषध। हमारे जीवन से आदर्श और मर्यादा गुम हो गई है। यह हमें समझ नहीं आ रहा है कि हमारा जीवन बनावटी हो गया है। संसार में आनंद सुख नहीं है भक्ति का एक छोटा सा दीपक जलाएं आपका जीवन संवर जाएगा

साध्वीजी ने कहा कि हमे श्रुत भक्ति, शासन प्रभावना, उद्यापन एवं प्रायश्चित भी करना बहुत ही आवश्यक है, ये हमारे वार्षिक कर्तव्य भी है। कल्पसूत्र घर पर ले के जाने का एवं साध्वीवर्या को सूत्र वोहराने का लाभ गौतमचंद, जिनेन्द्रकुमार बंदामुथा ने लिया। यह जानकारी जयंतिलाल श्री श्रीमाल ने दी।

अमावस्या महाप्रसादी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मैसूर बैंक सर्कल स्थित हनुमान मंदिर के प्रांगण में गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक द्वारा 64वां अमावस्या महाप्रसादी कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें चार हजार से अधिक जरुरतमंदों को भोजन का वितरण कराया गया। इस महाप्रसादी में सेवा देने के लिए समिति के अध्यक्ष गौतमचंद धारीवाल, किरण चोपड़ा, मनोहरलाल बाफना, प्रकाश बाफना, विनोद गोलेच्छा, राजेश कातरेला, महेंद्र कातरेला, आशीष बाफना, रितु संचेती, उगमराज चोपड़ा आदि उपस्थित थे।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु चैप्टर के तत्वावधान में मितेश सुराना के सौजन्य से सिटी मार्केट के पास अमावस्या के उपलक्ष्य में महाप्रसादी का आयोजन किया गया जिसमें 350 व्यक्तियों ने लाभ लिया। इस मौके पर जोन चेयरमैन सुशील तलेसरा, बेंगलूरु चेयरमैन भारती तलेसरा, मंत्री विजयराज सिसोदिया, सहमंत्री अशोक छाजेड़, सहमंत्री ध्रुव धानेशा, रमेश दक, अक्षय दक, आशीष बाफना आदि ने सेवा प्रदान की।

आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु के रोटरी क्लब के सामाजिक सेवा निदेशक गौतम सालेचा आदि ने डीसीपी मुत्तुराज से मुलाकात कर उनका सम्मान करते हुए उन्हें 19 सितम्बर को आयोजित मेमोरी वॉक के लिए आमंत्रित किया।

'समता की साधना का अनूठा प्रयोग है अभिनव सामायिक'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के तत्वावधान में तेरापंथ युवक परिषद् बेंगलूरु ने जैन धर्म के प्रमुख पर्व पर्युषण महापर्व के तीसरे दिन अभिनव सामायिक का आयोजन तेरापंथ भवन गांधीनगर में किया गया। मुनिश्री हिमांशुकुमारजी के सान्निध्य में लगभग 1500 से भी अधिक सामायिक हुई। परिषद अध्यक्ष रजत बैद ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज डागा के नेतृत्व में परिषद की 358 शाखाएं पूरे देश व नेपाल मे प्रतिवर्ष पर्युषण महापर्व के दौरान अभिनव सामायिक का आयोजन करवाती है। आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनिश्री हिमांशुकुमारजी ने सामायिक संकल्प, त्रिपदी वंदना, ध्यान एवं जप के प्रयोग करवाए। मुनिश्री के साथ उपस्थित जन मेदिनी ने सामायिक गीत का सामूहिक संगान किया।

मुनि हेमंतकुमारजी ने परमसुख की चाबी – सामायिक विषय पर कहा कि श्रावक के 12 अणुव्रतों में, साधु के 5 चारित्र में और प्रतिक्रमण के 6 आवश्यकों में भगवान महावीर ने सामायिक का उल्लेख किया है, इसलिए समता और अहिंसा की साधना के लिए सामायिक का अत्यधिक महत्त्व है। मुनिश्री ने सामायिक में साधक तत्वों के प्रयोग एवं बाधक तत्वों से बचाव करने की प्रेरणा दी। मुनि हिमांशुकुमारजी ने कहा कि हमें यह अति दुर्लभ मनुष्य जीवन मिला है और अब हमारी गति के आरोहण के लिए आवश्यक है कि हम समत्व की साधना करें। श्रावक श्राविकाओं को अप्रमत्त बनने अर्थात् धर्म के प्रति उत्साह का भाव बनाए रखने की प्रेरणा देते हुए सामायिक के प्रायोगिक स्वरूप का विश्लेषण किया ।

अभिनव सामायिक में उमड़े श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। शहर के तेरापंथ युवक परिषद द्वारा तेरापंथ भवन में अभिनव सामायिक का आयोजन किया गया। उपासक सुधांशु चंडालिया ने आगमवाणी की व्याख्या करते हुए अहिंसा, संयम, तप को धर्म का सार बताते हुए श्रावक–श्राविकाओं को अहिंसात्मक एवं संयममय जीवन जीने की प्रेरणा दी। साथ ही सामायिक की प्रेरणा देते हुए कई व्यक्तियों को प्रतिदिन एक सामायिक करने का संकल्प करवाया। सहयोगी उपासक प्रकाश हिरण ने 6 लेश्याओं के बारे में बताते हुए कहा कि हमें अशुभ लेश्या से शुभ लेश्या की ओर प्रस्थान करने का प्रयास करना चाहिए। सहयोगी उपासक विकास ने सामायिक की साधना करते–करते मोक्ष के पथ पर आगे बढ़ने के तरीके बताए। इस आयोजन में तेरापंथी सभा, तेयुप, महिला, किशोर व कन्या मंडल के 250 से अधिक सदस्य उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पर्युषण आराधना

बेंगलूरु के प्रेस्टीज वेस्ट वुड जैन संघ द्वारा अल्पेशगुरुजी के मार्गदर्शन में पर्युषण महापर्व में पूजा भक्ति आराधना का आयोजन किया। सुबह भक्तामर, स्नात्र पूजा व दोपहर में महापूजा तथा शाम को चिकपेट लब्धि मंडल द्वारा भक्ति का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संघ के विपिन बाफना, अश्विन सेमलानी, राजेश परमार, महेंद्र चौधरी, संतोष छाजेड़, गौतम पूनिया, यश सिंघवी, ललित परमार, अशोक कोठारी, प्रफुल्ल जैन, कांतिलाल छाजेड़, महिला मंडल की सदस्याएं ममता बाफना, नीमा सेमलानी, कुसुम परमार, अरुण जैन, प्रमिला परमार सहित संघ के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

टी दासरहल्ली तेरापंथ भवन में हुई 91 सामायिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के टी दासरहल्ली स्थित तेरापंथ भवन में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के तत्वावधान में तेरापंथ युवक परिषद टी. दासरहल्ली ने पर्युषण दिवस के तृतीय दिवस पर सामायिक दिवस मनाया गया। इस मौके पर पर उपासक भंवरलाल माण्डोत एवं छत्तरसिंह सेठिया के सान्निध्य में कुल 91 सामायिक हुई। परिषद अध्यक्ष देवीलाल गांधी ने सभी का स्वागत किया। उपासक भंवरलाल मांडोत ने बताया कि जैन धर्म मे सामायिक का विशेष महत्व माना जाता है। सामायिक को समता की साधना और आत्मा को निर्मल करने का महत्वपूर्ण उपक्रम बताया गया है। सामायिक में व्यक्ति 48 मिनट के लिए सारे सांसारिक कार्यो का त्याग करके आध्यात्म साधना में लीन हो जाता है। इस मौके पर मंत्री दिलीप पितलिया, अभातेयुप सामायिक सहप्रभारी राकेश दक, सभा ट्रस्ट अध्यक्ष नवरतनमल गांधी, महिला मंडल अध्यक्षा नेहा चावत, सभा ट्रस्ट परिवार, महिला मंडल, युवक परिषद एवं सम्पूर्ण जैन समाज की उपस्थिति रही।

'सामायिक से बाहर और भीतर का संतुलन स्थापित होता है'

सामायिक दिवस पर आयोजित हुई अभिनव सामायिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर, राजराजेश्वरीनगर, हनुमंतनगर, यशवंतपुर के तत्वावधान में सामूहिक रूप में विजयनगर स्थित अर्हम भवन में मुनिश्री दीपकुमारजी के सान्निध्य में पर्व पर्वाधिराज पर्युषण के तृतीय दिन सामायिक दिवस के अवसर पर अभिनव सामायिक का आयाजेन किया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। इस मौके पर मुनिश्री दीपकुमारजी ने कहा कि आज का मानव निकट से दूर और दूर से निकट हो रहा है, वह ग्रह नक्षत्रों से सम्पर्क स्थापित कर रहा है। समुद्र की गहराई का अवगाहन कर रहा है, पर दूसरी ओर अपने अस्तित्व से दूर हो रहा है। इस विरोधाभास के कारण अनेक समस्याएं उत्पन्न हो रही है। सामायिक से यह विरोधाभास दूर होता है। सामायिक का तात्पर्य है अपने में रमण करना, अपने साथ जीना। सामायिक से बाहर और भीतर का संतुलन स्थापित होता है तथा सही दृष्टिकोण का निर्माण होता है। भगवान महावीर ने सामायिक के महत्व की देशना प्रदान की थी। अभिनव सामायिक की शुरुआत आचार्य श्री तुलसी ने जन सामान्य में एकरूपता से समता की साधना के विकास हेतु की। मुनि श्री ने भगवान महावीर की भव परम्परा का वर्णन किया। अभिनव सामायिक के अंतर्गत निर्धारित त्रिपदी वंदना, जप, ध्यान, स्वाध्याय के क्रमशः प्रयोग कराएं। मुनिश्री काव्य कुमारजी ने कहा, सामायिक धर्म की निष्पति है, उपवास में भूख सहनी होती है। आतापना में ताप सहना पड़ता है। सर्दी भी सहन करनी पड़ती है, किंतु सामायिक में तो कोई कष्ट नहीं होता, बस आसन जमाया और आराम से जप, ध्यान, स्वाध्याय की क्रिया में रम जाओ। कष्ट नहीं है सामायिक में।

तेयुप राजराजेश्वरीनगर अध्यक्ष विकास छाजेड, हनुमंतनगर अध्यक्ष अंकुश बैद, यशवंतपुर अध्यक्ष जिगर मारू, विजयनगर तेयुप अध्यक्ष राकेश पोखरणा ने उपस्थित अभातेयुप परिवार, सभा, परिषद, अणुविभा, टीपीएफ, महिलामंडल, सभी संस्थाओं के पदाधिकारियों, श्रावक श्राविका समाज का स्वागत किया। राकेश पोखरना ने सामायिक द्वारा समता की साधना से जीवन में बदलाव की बात कही। कार्यक्रम पूर्व सामायिक हेतु मनोहरलाल, राकेश, मुकेश बाबेल परिवार के सहयोग से मुख वास्त्रिका का वितरण किया गया।

अभिनव सामायिक में अभातेयुप प्रबुद्ध विचारक दिनेश पोखरणा, टीपीएफ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हिम्मत मांडोत, अणुविभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री राजेश चावत, विजयनगर अध्यक्ष प्रकाशगांधी, महिला अध्यक्षा मंजू गादिया, टीपीएफ़ के अध्यक्ष हितेश गिड़िया, सामायिक राज्य प्रभारी महावीर टेबा आदि अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के संयोजक सुशील पारख, दिनेश मेहता का विशेष श्रम रहा। तेयुप विजयनगर मंत्री कमलेश चोपड़ा ने आभार ज्ञापित किया ।

जीतो महिलाओं द्वारा आयोजित डिज़िटल मार्केटिंग कार्यशाला संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ की महिला विंग द्वारा आईटी गुरुजी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन सप्ताह की डिज़िटल मार्केटिंग ऑनलाइन कार्यशाला का समापन हुआ। आईटी गुरुजी के संस्थापक प्रशिक्षक समकित पारिख ने इन तीन सप्ताह में प्रशिक्षुकों को इंट्रोडक्शन टू डिजिटल मार्केटिंग, सीईओ ऑप्टिमाइजेशन, इंट्रोडक्शन टू सीआरएम, ईमेल मार्केटिंग, कॉम्पिटिटर एंड वेबसाइट एनालिसिस,मार्केट रिसर्च कंटेंट क्रिएशन, मैनेजमेंट प्रोमोशन इंट्रोडक्शन टू वेब एनालिटिक्स, मोबाइल मार्केटिंग, सोशल मीडिया मार्केटिंग, डिजिटल मार्केटिंग बजटिंग, प्लानिंग फोरकास्ट,डिजिटल मार्केटिंग प्रोजेक्ट मैनेजमेंट,प्रोडक्ट मार्केटिंग (फेसबुक, इंस्टाग्राम, गूगल ऐड्स) , एफिलिएट मार्केटिंग वेबसाइट डाटा एनालिटिक्स,पेड ऐड्स ऑप्टिमाइजेशन स्ट्रेटजीज़ ,न्यूरोमार्केटिंग फंडामेंटल्स आदि के बारे में प्रायोगिक ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया।

समापन के अवसर पर ऑनलाईन जुड़ी जीतो अपेक्स महिला विंग अध्यक्ष संगीता ललवानी ने कहा कि आज के दौर में हर वस्तु का तकनीकी रूप से विकास हुआ है और इंटरनेट भी इसी आधुनिकता का हिस्सा है। प्रशिक्षु प्रभा जैन ने इसे आज के युग की माँग का ज्ञान बताया जो सीखना सभी के लिए बेहद ज़रूरी है। संगीता जैन ने कहा कि इस प्रशिक्षण को अच्छी तरह सीखना बहुत ही लाभदायक है। निशा गांधी, पिंकी इसरानी,सपना शाह, श्वेता पोकरना इत्यादि ने इस डिजिटल वर्ल्ड में ज्ञान को सिखाने हेतु जीतो का आभार माना। जीतो लेडिस विंग निदेशक सुनीता बोहरा, राष्ट्रीय महामंत्री शीतल दुगड़ ने विचार व्यक्त किए। नॉर्थ महिला अध्यक्ष बिंदु रायसोनी ने कहा कि डिजिटल मार्केटिंग एक ऐसा माध्यम बन गया है जिससे कि व्यापार को बढ़ाया जा सकता है।

जीतो चेप्टर नॉर्थ विंग चेयरमैन इंदरचंद बोहरा, महामंत्री सुधीर गादिया एवं लेडिज विंग संयोजक कमल पुनमिया ने शुभकामनाएँ दी। संयोजिका भाविका कोठारी एवं सहसंयोजिका तनुजा मेहता ने प्रशिक्षक का परिचय एवं संचालन किया। लगभग 67 प्रशिक्षुक इसमें जुड़े। इस मौके पर अनेक सदस्य उपस्थित थे। महामंत्री सुमन वेदमुथा ने धन्यवाद दिया।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के राजस्थान संघ कर्नाटक ट्रस्ट के तत्वावधान में पारसमल निर्मलकुमार भंडारी परिवार के सौजन्य से कॉटनपेट स्थित राज टॉवर के सामने पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व एवं अमावस्या के उपलक्ष में महाप्रसादी अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन रखा गया जिसमे 767 व्यक्तियों ने लाभ लिया। लाभार्थी परिवार के साथ संघ के अशोक चोपड़ा, कैलाश संखलेचा,भोपाल सोनवाड़िया, प्रवीण पोरवाल, रामलाल गन्ना दिलीप मरलेचा, पारस श्रीश्रीमाल, राजेश गादिया, अशोक छाजेड़, दीपक संखलेचा आनंद राव एवं परमेश्वरी संखलेचा आदि ने अपना सहयोग दिया।

मणिधारी दादाश्री जिनचन्द्रसूरी की पुण्यतिथि मनाई गई

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में गच्छगणिनी साध्वीश्री सुलोचनाश्रीजी की निश्रा में जिनशासन के गौरवमयी इतिहास में खरतरगच्छ के चार दादा गुरुदेवों में से दूसरे दादा गुरुदेव मणिधारी गुरुदेव जिनचन्द्रसूरीश्वरजी की 857वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर साध्वीश्री सुलोचनाश्री की निश्रा में गुणानुवाद सभा में अनेक वक्ताओं ने गुरुदेव के गुणों का गुणगान किया और उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारने की बात कही। साध्वीश्री ने गुरुदेव के जीवन चरित्र पर विस्तार से प्रकाश डाला। पुण्यतिथि के निमित्तप्रेमलतादेवी सज्जनसिंह खटोड़ परिवार द्वारा गुरुदेव का पूजन पढ़ाया गया। रात्रि में जिनदत्तकुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल द्वारा गुरुदेव के मधुर भजनों द्वारा उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com